Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 33
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 09 फरवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 संजय राउत का सलमान खान और आरएसएस... 4 अरावली में पड़ीं 12 दरारें, दिल्ली-एनसीआर... 7 भारत-पाकिस्तान मैच पर नई जानकारी ...

संक्षिप्त न्यूज

चीन पर भारी पड़ सकता है मेड इन इंडिया, व्यापार समझौते से भारतीय उद्योग को सीधी बढ़त

नई दिल्ली। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते का असर केवल इन्हीं दो देशों तक सीमित नहीं रहने वाला है। आने वाले वक्त में इसके जरिए भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में चीनी कंपनियों के मुकाबले बढ़त हासिल हो सकती है, क्योंकि चीन पर अमेरिका ने 37 प्रतिशत टैरिफ लगा रखा है। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, फार्मा, इंजीनियरिंग वस्तुओं, रत्न, आभूषण

व चर्म उत्पाद क्षेत्र में निर्माण बढ़ने से निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। चीन के मुकाबले अब मेड इन इंडिया को बढ़त हासिल होगी।

भारत विनिर्माण क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसमें उसकी प्रतिस्पर्धा चीन से है। पहले ब्रिटेन, फिर यूरोपीय संघ व अब अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से वैश्विक कारोबारी नक्शे में देश की स्थिति बेहतर हुई है। भारत निर्यातकों को इन देशों के विशाल बाजार में अपना माल उपलब्ध कराने का रास्ता खुल रहा है।

इससे सप्लाई चेन के मामले में उसे मजबूती मिलेगी और वह दुनिया भर के लिए बेहतर निवेश गंतव्य के रूप में उभरने लगा है। निकट भविष्य में भारत एआई एवं क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में अमेरिका के साथ सहयोग और बढ़ाएगा। इसमें उसे तकनीकी मदद भी मिलेगी। रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर लगाए गए 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ के फिलहाल हटने से भी भारत को बड़ी राहत मिली है।

'एक-दूसरे से जुड़ी है भारत-मलेशिया की समृद्धि'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अनवर इब्राहिम के बीच उच्चस्तरीय वार्ता, कई महत्वपूर्ण समझौते

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय मलेशिया यात्रा के दूसरे दिन भारत और मलेशिया के संबंधों में एक नया अध्याय जुड़ा। रविवार को प्रधानमंत्री मोदी और उनके मलेशियाई समकक्ष अनवर इब्राहिम के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि नई दिल्ली और कुआलालंपुर की समृद्धि एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और मलेशिया दो महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी देश हैं और वैश्विक अस्थिरता के इस दौर में दोनों देशों को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी दो दिवसीय यात्रा का मुख्य संदेश भारत और मलेशिया के बीच हर संभव क्षेत्र में सहयोग का विस्तार करना है। साथ ही उन्होंने मलेशिया में मिले भव्य स्वागत के लिए प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने बताया कि मलेशिया में लगभग तीस लाख भारतीय मूल के लोग निवास करते हैं, जो भारत और मलेशिया के बीच एक 'जीवंत सेतु' का कार्य करते हैं। उन्होंने दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन आसियान की सफल अध्यक्षता के लिए प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को बधाई दी और कहा कि कुआलालंपुर के सहयोग से यह मंच और अधिक सशक्त बनेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत

और मलेशिया के बीच सहयोग कृषि और विनिर्माण से लेकर स्वच्छ ऊर्जा और अर्धचालक उद्योग तक लगातार गहरा हो रहा है। इसके साथ ही कौशल विकास और क्षमता निर्माण में भी दोनों देश महत्वपूर्ण भागीदार हैं। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में भी आपसी सहयोग निरंतर मजबूत हो रहा है।

महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत के बाद भारत और मलेशिया के बीच कई महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने वैश्विक व्यापार और आर्थिक क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों देश व्यापार, निवेश, संपर्क व्यवस्था और रक्षा के क्षेत्रों में सहयोग को और आगे बढ़ाते रहेंगे।

प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने बताया कि वर्ष 1957 से चले आ रहे लंबे संबंधों के तहत भारत और मलेशिया आतंकवाद विरोधी प्रयासों, खुफिया जानकारी साझा करने और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में भी सहयोग को और मजबूत करेंगे। उन्होंने वैश्विक शांति प्रयासों–यूक्रेन, रूस और मध्य पूर्व, विशेष रूप से गाजा–के संदर्भ में भारत की भूमिका और प्रतिबद्धता की प्रशंसा की।

रक्षा और उन्नत प्रौद्योगिकी में सहयोग बढ़ेगा

प्रेस वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और मलेशिया रक्षा सहयोग को और अधिक व्यापक बनाएंगे। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र के वैश्विक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि दोनों देश अर्धचालक उद्योग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य तथा खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भी अपनी साझेदारी का विस्तार करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन की केंद्रीय भूमिका को अत्यंत महत्व देता है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में सुधार आवश्यक है और आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में किसी भी प्रकार का दोहरा मापदंड स्वीकार्य नहीं हो सकता।

प्रधानमंत्री ने अंत में कहा,

'भारत-मलेशिया संबंध वास्तव में बहुत विशेष हैं। हम समुद्री पड़ोसी हैं और सदियों से हमारे दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे संबंध रहे हैं। आज मलेशिया उन देशों में से एक है

कार्यालय ने मीडिया रिपोर्ट्स को सिरे से किया खारिज

'जेफरी एपस्टीन से कभी नहीं मिले दलाई लामा'

नई दिल्ली। आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा के कार्यालय ने हाल के दिनों में सामने आई मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्ट्स को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें तथाकथित 'एपस्टीन फाइल्स' के जरिए दलाई लामा को अमेरिकी फाइनेंसर जेफरी एपस्टीन से जोड़ने की कोशिश की जा रही थी। दलाई लामा के कार्यालय की तरफ से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, 'एप्स्टीन फाइलों से संबंधित कुछ हालिया मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों में दलाई लामा को जेफरी एपस्टीन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। हम स्पष्ट रूप से पुष्टि करते हैं कि उन्होंने कभी भी जेफरी एपस्टीन से मुलाकात नहीं की है और न ही उन्होंने अपनी ओर से किसी को भी उनसे मिलने या बातचीत करने की अनुमति दी है।'

मीडिया रिपोर्टें और सोशल मीडिया पोस्ट्स भ्रामक

आधिकारिक बयान में कहा गया है कि हालिया मीडिया रिपोर्टें और सोशल मीडिया पोस्ट्स भ्रामक और तथ्यहीन हैं, जिनका उद्देश्य दलाई लामा की छवि को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाना है। कार्यालय ने इन दावों को 'पूरी तरह निराधार' बताया है। बयान में यह भी कहा गया कि दलाई लामा हमेशा नैतिक मूल्यों, करुणा और अहिंसा के सिद्धांतों के लिए जाने जाते हैं और उन्हें इस तरह के विवादास्पद मामलों से जोड़ना सच्चाई से कोसों दूर है। यह प्रेस

स्टेटमेंट 8 फरवरी 2026 को दलाई लामा के मुख्यालय थेकचेन चोएलिंग, मैक्लॉडगंज, धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) से जारी किया गया।

विशेषज्ञों का मानना है कि 'एपस्टीन फाइल्स' को लेकर सोशल मीडिया पर कई नामों को बिना पुख्ता सबूत के जोड़ा जा रहा है, जिससे भ्रम और अफवाहें फैल रही हैं। दलाई लामा कार्यालय का यह स्पष्टीकरण ऐसे ही सभी दावों पर स्पष्ट और अंतिम जवाब माना जा रहा है। बता दें कि हाल के दिनों में 'एपस्टीन फाइल्स' को लेकर सोशल मीडिया पर कई चर्चित हस्तियों के नाम सामने लाए जा रहे हैं, जिनमें से कई दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दलाई लामा के कार्यालय का यह बयान ऐसे सभी दावों पर स्पष्ट खंडन के तौर पर सामने आया है।

रूसी तेल खरीद पर अमेरिकी धमकी से भड़के ओवैसी

'भारत के पेट्रोलियम मंत्री ट्रंप हैं या हरदीप सिंह पुरी'

करीमनगर। अमेरिका ने भारत पर रूसी तेल खरीद को लेकर लगाया गया 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ हटा दिया है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर भारत किसी भी जरिए से रूसी तेल खरीदता है तो फिर से टैरिफ लगा दिया जाएगा। इस मुद्दे पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार, भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधा।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, 'ट्रंप कह रहे हैं कि अगर भारत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रूस से तेल आयात करता है, तो ट्रंप हम पर 25इ अतिरिक्त टैरिफ लगाएंगे। मैं पूछना चाहता हूं कि भारत के पेट्रोलियम मंत्री ट्रंप हैं या हरदीप सिंह पुरी। अब ट्रंप हमें धमकी दे रहे हैं।'

ओवैसी ने आरएसएस-भाजपा पर साधा निशाना

तेलंगाना के करीमनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए एआईएमआईएम सांसद ओवैसी ने कहा, 'मुझे परवाह नहीं कि आप मुझे गाली दें। लेकिन मुझे बताएं, क्या यह भाजपा और आरएसएस का राष्ट्रवाद है? क्या यह आपकी देशभक्ति है? चीन इसका पूरा फायदा उठा रहा है। चीन सारा सस्ता तेल ले रहा है।'

ओवैसी ने कहा, 'भाजपा और आरएसएस से हमारा सवाल यह है कि आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के बारे में सरकार क्या कहती है। आपने उत्पादन लिंक प्रोत्साहन योजना शुरू की। आपने घरेलू विनिर्माण क्षमता के लिए लाखों-करोड़ों सार्वजनिक धन का उपयोग किया। अब सरकार अमेरिका से टैरिफ कम करने पर सहमत हो रही है। तो, अमेरिकी औद्योगिक सामान यहां आएगा, फिर पीएलआई में आपके पिछड़े क्षेत्रों का क्या होगा?'

मतदाताओं की सुनवाई की समयसीमा खत्म, अंतिम तारीख बढ़ाने को लेकर असमंजस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एसआईआर से जुड़ी दावों और आपत्तियों पर सुनवाई की समय-सीमा समाप्त हो चुकी है, लेकिन कई इलाकों में प्रक्रिया पूरी न होने के कारण स्थिति अब भी साफ नहीं हो पाई है। राज्य के तीन निर्वाचन जिलों की लगभग 15 विधानसभा सीटों पर सुनवाई लंबित है, जिससे समय-सीमा बढ़ाने को लेकर असमंजस बना हुआ है।

सुनवाई की प्रक्रिया के लिए सात दिन का अतिरिक्त समय मांगा

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), पश्चिम बंगाल, मनोज कुमार अग्रवाल ने सुनवाई की प्रक्रिया के लिए सात दिन का अतिरिक्त समय मांगा है। हालांकि, कोलकाता स्थित सीईओ कार्यालय को अब तक नई दिल्ली में चुनाव आयोग (ईसीआई) मुख्यालय से इस संबंध में कोई जवाब नहीं मिला है।

इन दो वजहों से बनी भ्रम की स्थिति

सीईओ कार्यालय से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, भ्रम की स्थिति दो वजहों से बनी है। पहली, अगर समय-सीमा बढ़ाई

जाती है तो नई अंतिम तारीख क्या होगी? दूसरी, यह विस्तार केवल उन्हीं 15 विधानसभा क्षेत्रों तक सीमित रहेगा, जहां सुनवाई पूरी नहीं हो पाई है या फिर पूरे राज्य के लिए समय-सीमा बढ़ाई जाएगी?

सूत्रों ने बताया कि अगर चुनाव आयोग पूरे राज्य के लिए समय-सीमा बढ़ाने का फैसला करता है, तो 14 फरवरी को जारी होने वाली अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन में भी उसी अनुपात में देरी होगी। जिन 15 विधानसभा क्षेत्रों में सुनवाई अब तक पूरी नहीं हो पाई है, वे मुख्य रूप से तीन निर्वाचन जिलों में आते हैं। इनमें अल्पसंख्यक बहुल मालदा, तटीय और सीमावर्ती दक्षिण 24 परगना और कोलकाता उत्तर शामिल हैं। इस बीच, एक बड़ी जानकारी सामने आई है कि 4 लाख से अधिक अतिरिक्त मतदाताओं की पहचान ऐसे लोगों के रूप में की गई है, जिनका नाम अंतिम मतदाता सूची से हटाया जा सकता है। ये वे मतदाता हैं, जो दावों और आपत्तियों की सुनवाई के दौरान बार-बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद उपस्थित नहीं हुए।

इन 4 लाख संभावित रूप से हटाए जाने वाले मतदाताओं में करीब 50 हजार 'अनमैप्ड' हैं और लगभग 3 लाख 50 हजार 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' वाले मामले हैं। अनमैप्ड मतदाता वे हैं, जो 2002 की मतदाता सूची से अपना संबंध साबित नहीं कर पाए, न खुद के माध्यम से और न ही वंश (प्रोजेनी) मैपिंग के जरिए। वहीं, लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी वाले मामलों में वंश मैपिंग के दौरान पारिवारिक विवरण में असामान्य गड़बड़ियां पाई गईं।

'विकसित भारत के लक्ष्य को प्राथमिकता'

वित्त मंत्री बोलीं- लोकलुभावन एलान नहीं सुधारों पर फोकस

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को बजट 2026-27 को लेकर कई अहम बातें कही। उन्होंने कहा कि बार-बार बदलती नीतियों से पैदा होने वाली अनिश्चितता को खत्म करना ही इस बार के बजट की असली सोच है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'पॉलिसी पिंग-पोंग' से बचने की सोच ही केंद्रीय बजट 2026-27 की सबसे बड़ी नींव है। उन्होंने बताया कि बजट में तात्कालिक लाभ के बजाय नीति स्थिरता, दीर्घकालिक योजना और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राथमिकता दी गई है।

न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में सीतारमण ने कहा कि यह बजट नए पांच साल के वित्तीय चक्र का पहला बजट है और 21वीं सदी की दूसरी तिमाही का पहला बजट है। इस बजट में किसी तरह के लोकलुभावन एलान की बजाय पूंजीगत खर्च (कैपिटल एक्सपेंडिचर), इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और संरचनात्मक सुधारों को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही सरकार ने राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने पर भी पूरा ध्यान दिया गया है।

नीति में स्थिरता जनता का जनादेश

उन्होंने बताया कि लोगों को स्थिरता चाहिए थी, इसलिए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को तीसरी बार चुना। यह स्थिरता नीतियों में भी साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की तीसरी जीत इस बात का संकेत है कि जनता नीति और राजनीतिक स्थिरता चाहती है, जिसे सरकार विकास की बुनियाद मानती है।

'पॉलिसी पिंग-पोंग' से बचने की सोच

वित्त मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री बार-बार इस बात पर जोर देते हैं कि एक बार कोई नीति तय हो जाए, तो उसे लगातार और मजबूती से लागू किया जाना चाहिए, न कि बार-बार दिशा बदली जाए। यही सोच बजट की नीतियों में भी झलकती है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि इस बजट को केवल एक साल के खर्च के रूप में नहीं देखना चाहिए। हम 2047 तक और उससे आगे, 2050 तक की तैयारी कर रहे हैं। सरकार का लक्ष्य है कि आजादी के 100 साल पूरे होने तक भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाया जाए और अगले 25 वर्षों की चुनौतियों के लिए देश को तैयार किया जाए।

चुनाव आयोग से बोली बंगाल सरकार

'एसआईआर के लिए ग्रुप बी के 8505 अधिकारी उपलब्ध कराने को तैयार'

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल सरकार ने चुनाव आयोग को बताया है कि वह राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के लिए राज्य या उसकी संस्थाओं के 8,505 ग्रुप-बी अधिकारियों की सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह मामला इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि 4 फरवरी को चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी थी कि पश्चिम बंगाल सरकार ने एसआईआर अभियान की निगरानी के लिए केवल 80 ग्रेड-2 अधिकारियों (जैसे एसडीएम) को ही तैनात किया है।

सूत्रों के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची, एन. वी. अंजारिया की पीठ सोमवार को एसआईआर से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इन याचिकाओं में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका भी शामिल

है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री सोमवार को एक बार फिर शीर्ष अदालत में पेश हो सकती हैं।

राज्य सरकार ने चुनाव आयोग को यह भी स्पष्ट किया है कि वह एसआईआर अभियान के लिए बड़ी संख्या में योग्य अधिकारियों को उपलब्ध कराने के लिए तैयार और इच्छुक है। इससे पहले चुनाव आयोग के वकील ने अदालत में यह भी कहा था कि राज्य सरकार ने इस अभियान के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं जैसे निचले स्तर के कर्मचारियों को ही तैनात किया।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि आयोग ने जो भी मांगा, राज्य सरकार ने वह उपलब्ध कराया। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर अदालत से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा था कि लोकतंत्र को बचाने के लिए यह जरूरी है और आरोप लगाया था कि राज्य और उसके लोगों को निशाना बनाया जा रहा है।

सीएम विजयन ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

'धान उत्पादन को बोझ बताना किसान और केरल विरोधी सोच'

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि धान उत्पादन बढ़ने को देश पर बोझ बताना किसानों के खिलाफ सोच को दिखाता है और यह केरल के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैये का संकेत है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय के व्यय सचिव ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि देश में धान का उत्पादन जरूरत से ज्यादा हो गया है और इसकी खरीद पर आने वाला खर्च सरकारी खजाने पर बोझ बन रहा है। इस संबंध में एक पत्र राज्य के मुख्य सचिव को मिला है।

'धान किसानों को अतिरिक्त बोनस देती है केरल सरकार'

सीएम विजयन ने कहा कि केरल सरकार केंद्र द्वारा तय न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के ऊपर धान किसानों को अतिरिक्त बोनस देती है। उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्र सरकार को इससे परेशानी क्यों हो रही है। मुख्यमंत्री ने

बताया कि केरल धान की खरीद पर प्रति किलो 6.31 रुपये अतिरिक्त देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग हजारों करोड़ रुपये के कॉरपोरेट कर्ज माफ करने में हिचकिचाते नहीं, वही धान किसानों को दी जा रही छोटी-सी मदद को बड़ा बोझ बता रहे हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, उत्पादन बढ़ने को नुकसान बताकर राज्य पर बोनस नीति की समीक्षा का दबाव बनाया जा रहा है, जो न सिर्फ किसानों बल्कि पूरे केरल के खिलाफ रवैये को दिखाता है।

मुख्यमंत्री ने यह भी सवाल उठाया कि क्या यह कदम भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोलने की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने कहा कि एक तरफ केंद्र ऐसी बातें कर रहा है, वहीं दूसरी ओर धान किसानों के लिए केंद्र का हिस्सा समय पर जारी भी नहीं किया जा रहा है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब एक दिन पहले सत्तारूढ़ एलडीएफ के संयोजक टी. पी. रामकृष्णन ने भी केंद्र से अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि बंद करने के निर्देश को तुरंत वापस लेने की मांग की थी। रामकृष्णन ने आरोप लगाया था कि इससे देश की खाद्य आत्मनिर्भरता कमजोर होगी और उन्होंने इसके खिलाफ जोरदार विरोध की अपील की थी।

इससे पहले, 9 जनवरी को केंद्रीय वित्त मंत्रालय के व्यय सचिव वी. वुअलनाम ने केरल के मुख्य सचिव ए. जयथिलक को पत्र लिखकर गेहूं और धान पर दी जा रही अतिरिक्त प्रोत्साहन नीति की समीक्षा करने और इसे बंद करने पर विचार करने को कहा था। पत्र में यह भी सुझाव दिया गया था कि दालों, तिलहनों और मोटे अनाज (मिलेट्स) की खेती को बढ़ावा देने पर ध्यान दिया जाए, ताकि पोषण सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और टिकाऊ कृषि जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों को हासिल किया जा सके।

पड़ोसी देश में हिंदुओं की स्थिति पर बोले भागवत

'बांग्लादेश में 1.25 करोड़ हिंदू, एकजुट हो जाएं तो...'

दिव्यांश

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि समान नागरिक संहिता को सभी वर्गों को साथ लेकर और आपसी सहमति से बनाया जाना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि यूसीसी के नाम पर समाज में किसी भी तरह का विभाजन नहीं होना चाहिए। आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान भागवत ने कहा कि उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने से पहले करीब तीन लाख सुझाव लिए गए और सभी हितधारकों से चर्चा के बाद ही कानून बनाया गया। यही तरीका पूरे देश में अपनाया जाना चाहिए।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के मुद्दे पर भागवत ने कहा, बांग्लादेश में अभी भी 1.25 करोड़ हिंदू हैं। यदि वे एकजुट हो जाएं, तो वे वहां की राजनीतिक व्यवस्था उपयोग अपने हित और अपनी सुरक्षा के लिए कर सकते हैं। लेकिन उन्हें एकजुट होना होगा। अच्छी बात यह है कि इस बार उन्होंने वहां से भागने का नहीं, बल्कि वहीं रहकर लड़ने का फैसला किया है। अगर अगर उन्हें लड़ना है है, तो एकता जरूरी होगी। जितनी जल्दी वे एकजुट होंगे, उतना ही बेहतर होगा।

बांग्लादेश में वर्तमान में हिंदुओं की जितनी संख्या मौजूद है, उससे वे अपनी स्थिति में उल्लेखनीय सुधार कर सकते हैं। इसके लिए हम यहां अपनी सीमाओं के भीतर और दुनियाभर में अपने-अपने स्थानों पर मौजूद हिंदू, उनके लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। मैं आपको यह आश्वासन दे सकता हूं।

'देश में बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक जैसी कोई चीज नहीं'

उन्होंने कहा कि देश में बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक जैसी कोई चीज नहीं है, हम सभी एक ही समाज का हिस्सा हैं। उन्होंने मुस्लिम और ईसाई समुदायों के साथ विश्वास, मित्रता और संवाद की जरूरत पर जोर दिया। धर्म पर बात करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि जब धर्म में आध्यात्मिकता नहीं रहती, तो वह आक्रामक और हावी होने लगता है। उन्होंने कहा कि आज इस्लाम और ईसाई धर्म में जो कुछ देखने को मिल रहा है, वह पैगंबर मोहम्मद और यीशु मसीह की मूल शिक्षाओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने 'सच्चे इस्लाम और सच्ची ईसाइयत' के पालन की बात कही।

'सावरकर को भारत रत्न मिलने से बढ़ेगी उसकी गरिमा'

राम मंदिर और 'अच्छे दिन' के सवाल पर संघ प्रमुख ने कहा कि आरएसएस के लिए अच्छे दिन भाजपा के सत्ता में आने से नहीं, बल्कि स्वयंसेवकों की मेहनत और संगठन की वैचारिक प्रतिबद्धता से आए। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन में जो लोग संघ के साथ खड़े रहे, उन्हें उसका राजनीतिक लाभ मिला। हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर को भारत रत्न दिए जाने की मांग पर उन्होंने कहा कि अगर उन्हें यह सम्मान दिया जाता है, तो भारत रत्न की गरिमा और बढ़ेगी।

संघ जरूरत पड़ने पर सलाह देता है- भागवत

आरएसएस और राजनीति के रिश्ते पर उन्होंने कहा कि संघ जरूरत पड़ने पर सलाह देता है, लेकिन राजनीतिक दबाव मतदाताओं का होता है, आरएसएस का नहीं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि 'राजनीति की गलतियों का दोष अक्सर हम पर मढ़ दिया जाता है।' कम्युनिस्ट आंदोलन पर टिप्पणी करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि पिछले 100 वर्षों में उनका आधार क्यों नहीं बढ़ा, इस पर आरएसएस उन्हें मार्गदर्शन दे सकता है, अगर वे चाहें।

आरएसएस एक युवा संगठन है- मोहन भागवत

संघ की उम्र संरचना पर बोलते हुए उन्होंने बताया कि आरएसएस एक युवा संगठन है, जहां स्वयंसेवकों की औसत उम्र 28 साल है, और इसे 25 साल तक लाने का लक्ष्य है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर उन्होंने कहा कि उन्होंने इसके बारीक विवरण नहीं देखे हैं, लेकिन किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते में लेन-देन और दोनों पक्षों का लाभ जरूरी होता है।

तेलंगाना में ज्योतिबा फुले की प्रतिमा से तोड़फोड़; छगन भुजबल ने अमित शाह से की दखल देने की मांग

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल ने तेलंगाना में समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाए जाने की निंदा की। उन्होंने इसे सामाजिक समानता की मूल भावना पर हमला बताया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता ने इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है और दखल देने की मांग की।

भुजबल ने दोषियों के खिलाफ तुरंत और सख्त कार्रवाई की मांग की। यह घटना छह फरवरी को तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में हुई। अमित शाह को लिखे पत्र में भुजबल ने कहा कि महात्मा फुले जैसे महापुरुषों को निशाना बनाना प्रगतिशील समाज के विचार पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक समाज में ऐसी घटनाएं किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं।

उन्होंने कहा कि यह घटना समाज सुधार वाली विचारधारा पर जानबूझकर किया गया हमला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सामाजिक न्याय, समानता और वंचित वर्गों के सशक्तिकरण में महात्मा फुले का योगदान अमूल्य है। एनसीपी नेता ने मांग की कि आरोपियों को ऐसी सजा दी जाए कि मिसाल बन सके। उन्होंने कहा कि इससे भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सकेगा और सांविधानिक मूल्यों की रक्षा होगी।

वी.के. गौतम 32 वर्षों की गौरवशाली सेवा के बाद रेल सेवा से सेवानिवृत्त

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेलवे के मुंबई मंडल में वरिष्ठ मोटरमैन के पद पर कार्यरत रहे श्री वी.के. गौतम 32 वर्षों की उत्कृष्ट एवं गौरवशाली सेवा के उपरांत 31 जनवरी 2026 को रेल सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर उनका सेवानिवृत्ति समारोह सेंट्रल रेलवे इंस्टिट्यूट, कल्याण में अत्यंत धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री धीरेन्द्र सिंह, उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, मध्य रेलवे; डॉ. ए.के. सिंह, जनसंपर्क अधिकारी, आईआरसीटीसी पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई तथा श्री वी.टी. गजभिए, सेवानिवृत्त वरिष्ठ डीएमई (फ्रेट/ऑपरेशन) विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्री वी.के. गौतम के माता-पिता एवं अन्य परिजन अलीगढ़ से उपस्थित हुए। सर्वप्रथम माता-पिता का श्रीफल, शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया, जिससे समारोह भावनात्मक और गरिमामय बन गया। इस अवसर पर विभिन्न यूनियनों के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के श्री विवेक सिसोदिया अपनी टीम के साथ तथा ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे एम्प्लॉइज एसोसिएशन के जोनल अध्यक्ष श्री बी.के. खोइया की गरिमामयी उपस्थिति उल्लेखनीय रही। समारोह में लगभग 700 से अधिक लोगों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मोटरमैन, ट्रेन मैनेजर, लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, रेलवे के अन्य कर्मचारी तथा वीर जाटव समाज के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आयोजन के दौरान उत्तम खान-पान की व्यवस्था एवं मधुर हिंदी गीतों का भी कार्यक्रम रखा गया, जिसका सभी उपस्थितजनों ने भरपूर आनंद लिया।

समारोह का समापन श्री वी.के. गौतम के उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की कामना के साथ किया गया।

स्वस्थ जीवनशैली के लिए बच्चे और बूढ़ों ने दिखाया दम!

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 'ठाणे हाफ मैराथन' का 12वां संस्करण रविवार, (8 फरवरी 2026) को हीरानंदानी एस्टेट, ठाणे के टीएमसी ग्राउंड में आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 12 हजार धावकों ने भाग लिया। इस रेस की तीन श्रेणी 21 किमी, 10 किमी और 4 किमी (फन रन) में लोगों ने दौड़ लगाई। 4 किलोमीटर रन में छोटे बच्चो ने भी हिस्सा लिया। स्वस्थ जीवनशैली और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए ठाणे हाफ मैराथन एक फ्लैगशिप स्पोर्टिंग प्लेटफॉर्म के तौर पर उभरा है। इस रेस के ब्रांड एंबेसडर मिलिंद सोमन ने भी 10 किमी तक दौड़ लगाई। इस मौके पर फिटनेस आइकन मिलिंद सोमन ने कहा कि मैं लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक करना चाहता हूं, इसलिए जो भी मेरे साथ सेल्फी लेना चाहता है उनको कहता हूं पहले आप पुश-अप्स करों फिर सेल्फी लो। आज की तनावपूर्ण ज़िंदगी में बेहतर स्वास्थ्य के लिए जागरूकता जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाना बेहद जरुरी है।

इस रेस में दौड़ने वाले यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया के प्रबंध निदेशक आशीष पांडेय ने कहा कि यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया हमेशा से ही बैंकिंग क्षेत्र हो या सोसायटी का डेवलपमेंट, हमेशा लोगो की मदद में अग्रसर रहा है। उन्होंने कहा कि जब लोग स्वस्थ होंगे तब देश स्वस्थ रहेगा और तभी देश विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में और तरक्की करेगा।

वहीं, यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नितेश रंजन ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मेरा तो मानना है कि 'फिट है तो हिट है' आप जितना सेहत के प्रति जागरूक रहेंगे उतना आपके लिए अच्छा है। एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर संजय रुद्रा ने कहा कि हार जीत से ज्यादा जरूरी है कि लोग इस तरह की स्पर्धा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें जो की मुंबईवासियों के लिए बेहद जरूरी है।

इस रेस में पुरुष 21 किमी रेस में दाजी हुबले प्रथम, विशाल कंबीरे दूसरे और सूरज ज़ोरे तीसरे नंबर पर रहे। जबकि, महिला 21 किमी रेस में अमृता पटेल प्रथम, प्राजकता गोडबोले दूसरे और मनीषा जोशी तीसरे नंबर पर रही।

स्टील शहरों का संगमः अश्विनी वैष्णव ने आसनसोल-बोकारो एम.ई.एम.यू. जीवनरेखा को दिखाई हरी झंडी

नई रेल सेवा से पश्चिम बंगाल और झारखंड के औद्योगिक केंद्र जुड़े

रतलाम। पूर्वी भारत के औद्योगिक परिदृश्य में आज एक ऐतिहासिक बदलाव दर्ज हुआ, जब बहुप्रतीक्षित आसनसोल-बोकारो स्टील सिटी एम.ई.एम.यू. सेवा का औपचारिक शुभारंभ किया गया। डिजिटल माध्यम और जनउत्साह से भरे इस समारोह में माननीय केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष श्री शुभेंदु अधिकारी भी उपस्थित रहे।

समर्पित एम.ई.एम.यू. सेवा की शुरुआत के साथ ही हजारों श्रमिकों, छात्रों और छोटे व्यापारियों की वर्षों पुरानी यात्रा कठिनाइयों का अंत हो गया है, जो अब तक महंगी बसों और विलंबित एक्सप्रेस ट्रेनों पर निर्भर थे।

औद्योगिक क्षेत्र के लिए गेम-चेंजर

नई सेवा पश्चिम बर्द्धमान, पुरुलिया और बोकारो के बीच एक तेज, किफायती 'स्टील कॉरिडोर' तैयार करती है। इस सेवा के प्रमुख लाभ इस प्रकार हैंः

कार्यबल को सशक्त बनाएगीः दोनों शहरों के सेल प्रतिष्ठानों के तकनीकी कर्मचारी और श्रमिक अब प्रतिदिन सीधे और विश्वसनीय रेल संपर्क से जुड़ेंगे, जिससे औद्योगिक समन्वय मजबूत होगा।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावाः लंबी दूरी की ट्रेनों के विपरीत, एम.ई.एम.यू.

छोटे मध्यवर्ती स्टेशनों पर भी ठहराव देती है, जिससे पुरुलिया और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को दोनों स्टील शहरों के बड़े बाजारों तक सस्ती पहुंच मिलेगी।

शिक्षा की नई राहः सैकड़ों छात्र अब राज्य सीमा पार स्थित कोचिंग सेंटरों और कॉलेजों तक प्रतिदिन आवागमन कर सकेंगे, जिससे हॉस्टल या किराए के महंगे खर्च से राहत मिलेगी।

किफायती यात्राः कम लागत वाले मासिक सीजन टिकट से दैनिक मजदूरों के लिए लंबी दूरी की यात्रा आसान और सुलभ हो गई है।

यात्रा मानकों में बड़ा बदलाव

नई एम.ई.एम.यू. सेवा क्षेत्रीय परिवहन प्रणाली में व्यापक सुधार का प्रतीक है। पहले जहां यात्रियों को बस बदलने और ईंधन खर्च के कारण अधिक लागत उठानी पड़ती थी, वहीं अब सब्सिडी वाले मासिक टिकट यात्रा को बेहद किफायती बनाते हैं। विश्वसनीयता के मामले में भी यह सेवा सड़क जाम और मानसून के दौरान आने वाली बाधाओं से मुक्त होकर हर मौसम में तेज और समयबद्ध रेल संपर्क सुनिश्चित करती है। साथ ही, जहां पहले एक्सप्रेस ट्रेनें छोटे गांवों को नजरअंदाज करती थीं, अब यह सेवा स्थानीय स्टेशनों पर ठहराव देकर ग्रामीण पुरुलिया को बेहतर और सुरक्षित संपर्क प्रदान करती है।

स्थानीय जीवन पर सकारात्मक प्रभाव

इस सेवा से छोटे मध्यवर्ती स्टेशनों पर आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि की संभावना है, क्योंकि नियमित यात्रियों की संख्या बढ़ने से नए व्यवसाय और सेवाएं विकसित होंगी। मानसून के दौरान भी ट्रेन की विश्वसनीयता क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को सड़क अवरोधों से प्रभावित होने से बचाएगी और लोगों को सुरक्षित, सुगम तथा नियमित यात्रा सुविधा प्रदान करेगी।

लोकसहभाग से सारसोळे जेट्टी परिसर में प्रभावी स्वच्छता अभियान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत स्वच्छता से जुड़े विभिन्न उपक्रमों की शुरुआत हो चुकी है। इसी क्रम में आज रविवार की सार्वजनिक छुट्टी के दिन नवी मुंबई महानगरपालिका तथा एन्वायरमेंट लाइफ फाउंडेशन और मैंग्रोव सोल्जर्स संस्थाओं एवं विभिन्न महाविद्यालयों के संयुक्त सहयोग से पाम बीच रोड के समीप स्थित सारसोळे जेट्टी के पास खाड़ी तट पर एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया।

यह अभियान महापालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार, परिमंडल 1 के उपआयुक्त श्री सोमनाथ पोटरे, घनकचरा प्रबंधन विभाग के उपआयुक्त डॉ. अजय गडदे, बेलापुर विभाग के सहायक आयुक्त श्री प्रशांत नेरकर, नेरूल विभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती अनुराधा बाबर तथा मुख्य स्वच्छता अधिकारी श्री राजेंद्र इंगळे के नियंत्रण में संपन्न हुआ। उपमुख्य स्वच्छता अधिकारी श्री नरेश अंधेर, स्वच्छता अधिकारी श्री अरुण पाटील ने अपने सहयोगी स्वच्छता निरीक्षक श्री विजय नाईक, श्री नवनाथ ठोंबरे एवं उप-स्वच्छता निरीक्षकों के साथ जनसहभागिता के माध्यम से इस अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया। सारसोळे जेट्टी से सटे खाड़ी तट पर उत्साहपूर्वक आयोजित इस विशेष स्वच्छता अभियान में एन्वायरमेंट लाइफ फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री धर्मेश बराई तथा मैंग्रोव सोल्जर्स के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। उनके साथ कर्मवीर भाऊराव पाटील मॉडर्न कॉलेज, वाशी; एसआईईएस कॉलेज, नेरूल; एस.के. कॉलेज, नेरूल; एमजीएम कॉलेज, कलंबोली; सरस्वती कॉलेज, खारघर; रामशेठ ठाकुर कॉलेज, पनवेल; ए.सी. पाटील कॉलेज, पनवेल; जनार्दन भगत शिक्षण संस्था कॉलेज, पनवेल जैसे प्रतिष्ठित महाविद्यालयों के 200 से अधिक एनएसएस विद्यार्थी एवं स्वच्छतादूत सक्रिय रूप से सहभागी हुए।

इस दौरान 250 से अधिक बोरों में प्लास्टिक बोतलें, थर्माकोल आदि कचरा एकत्र किया गया। साथ ही स्वच्छ सर्वेक्षण के संदर्भ में विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया गया तथा स्वच्छता की सामूहिक शपथ भी दिलाई गई।

वे हमेशा अजित दादा के साथ रहते थे, लेकिन विमान हादसे के दिन क्यों नहीं थे? बड़े नेता की शंका से मची हलचल

दिव्यांश

अजित पवार के विमान का भीषण हादसा हुआ। इस हादसे में अजित पवार का निधन हो गया। मुंबई से प्रचार सभा के लिए बारामती आते समय यह दुर्घटना हुई। विमान जब रनवे पर उतरने की कोशिश कर रहा था, तभी उसका नियंत्रण बिगड़ गया और विमान ज़मीन से टकरा गया। इसके बाद विमान में ज़ोरदार विस्फोट हुआ। इस हादसे में अजित पवार सहित पाँच लोगों की मौत हो गई।

इस बीच, अजित पवार के विमान हादसे को लेकर कुछ नेताओं ने शंका जताई है। इस हादसे पर बात करते हुए नेताओं द्वारा उठाई गई शंकाओं से राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज़ हो गई है। अमोल मिटकरी, छगन भुजबळ और शिवसेना (शिंदे गुट) के मंत्री भरत गोगावले ने भी इस हादसे पर संदेह व्यक्त किया है। इसके बाद अब बीड के सांसद और राष्ट्रवादी (शरद पवार गुट) के नेता बजरंग सोनवणे ने भी इस हादसे को लेकर शंका जताई है।

दो दिन पहले बजरंग सोनवणे ने यह सवाल उठाया था कि क्या अजित पवार

के विमान में बम था। अब एक बार फिर इस हादसे पर बोलते हुए उन्होंने बड़ा बयान दिया है। उनके द्वारा उठाई गई शंका से चर्चा और भी तेज़ हो गई है।

आखरि सोनवणे ने क्या कहा?

बजरंग सोनवणे ने कहा,

देश और महाराष्ट्र ने अपना नेतृत्व खो दिया है। आम लोगों के हर सवाल का समाधान अजित पवार के पास होता था। सभी को लगता है कि दादा आएंगे और मिलेंगे। यह घटना बेहद दुखद है। मैंने शंका व्यक्त की है, आरोप नहीं लगाया है। यह सभी की अस्मिता से जुड़ा विषय है। यह ऐसा मामला नहीं है जिसमें सबूत दिए जा सकें। मैंने सिर्फ़ शंका जताई है। इस घटना की पूरी जांच होनी चाहिए, ऐसी मेरी मांग है। मैं गृह मंत्री और मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाला हूं। अजित दादा मेरे जिले के पालक मंत्री थे, इसलिए इस हादसे की जांच होनी ही चाहिए। कोई भी सीधे आरोप नहीं लगा रहा है, सभी सिर्फ़ शंका व्यक्त कर रहे हैं–ऐसा घटनाक्रम है।'

आगे बोलते हुए उन्होंने कहा,

'मैं सामने जाकर बात करने वाला इंसान हूं। अजित पवार के साथ उनके निजी सहायक क्यों नहीं थे? जो निजी सहायक हमेशा उनके साथ रहते थे, वे उस दिन कहां थे? उस दिन सिर्फ़ सुरक्षाकर्मी ही साथ क्यों थे?'

महाराष्ट्र में परीक्षा केंद्र के बाहर महिलाओं से उतरवाया गया मंगलसूत्र, मुख्यमंत्री फडणवीस बोले–जांच होगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले से एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र में प्रवेश करते समय महिलाओं से उनका मंगलसूत्र उतरवाए जाने की घटना सामने आई है। इस घटना के उजागर होने के बाद विवाद गहरा गया, जिसके बाद राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का बयान भी सामने आया है। मुख्यमंत्री ने पूरे मामले की जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अहिल्यानगर जिले के संभाजीनगर क्षेत्र में आयोजित केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र में प्रवेश के समय महिलाओं से मंगलसूत्र उतारने को कहा गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी और यह देखा जाएगा कि ऐसा क्यों किया गया।

पहले भी आ चुकी हैं ऐसी शिकायतें

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि इस प्रकार की शिकायतें पहले भी सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि वे इस बात की जानकारी लेंगे कि यहां इस तरह की प्रक्रिया क्यों अपनाई गई। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पहले यह तर्क दिया गया था कि अलग-अलग तरीकों से उपकरण छिपाकर नकल की जाती है, लेकिन इसके बावजूद महिलाओं के धार्मिक और सामाजिक प्रतीकों के साथ इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है।

ऐसी प्रक्रिया उचित नहीं

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस तरह की प्रक्रिया अपनाना सही नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस संबंध में उचित दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी।

उल्लेखनीय है कि परीक्षा केंद्रों पर इस प्रकार की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। फिलहाल, अहिल्यानगर की इस घटना में आगे क्या कार्रवाई होती है, यह आने वाला समय बताएगा। हालांकि, इस प्रकरण ने समाज में एक नई बहस को जन्म दे दिया है।

संजय राउत का सलमान खान और आरएसएस पर बड़ा हमला, पूछा- भाईजान सिर्फ भीड़ जुटाने के लिए बुलाए गए?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक बड़े कार्यक्रम में सलमान खान समेत बॉलीवुड की कई हस्तियां शामिल हुईं। संजय राउत ने इस पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या सलमान खान को सिर्फ भीड़ जुटाने के लिए बुलाया गया था? उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से सवाल किया कि क्या यह कदम सिर्फ यह दिखाने के लिए है कि अब संघ में मुसलमानों का स्वागत है? राउत ने यह भी दावा किया कि कई लोग वहां अपनी मर्जी से नहीं, बल्कि दबाव में गए थे।

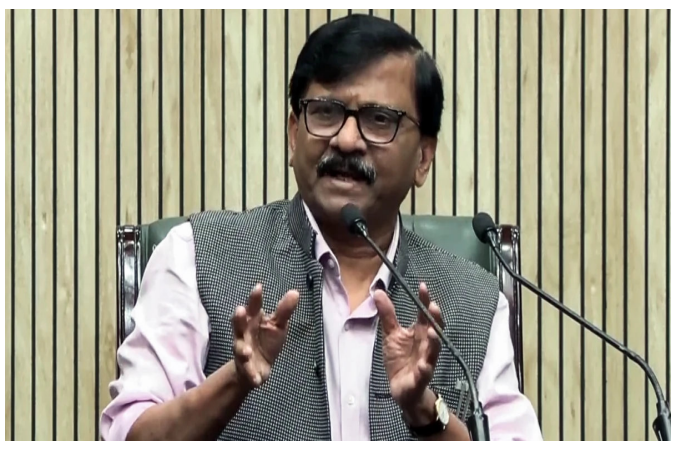

उद्धव ठाकरे से राजनीति में सक्रिय होने की अपील

संजय राउत ने अपनी पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे से एक खास अपील की है। उन्होंने कहा कि उद्धव जी को फिर से विधान परिषद में लौटना चाहिए। राउत के अनुसार, मुख्यमंत्री के तौर पर काम कर चुके उद्धव ठाकरे की मौजूदगी राज्य के लोगों और विपक्ष की मजबूती के लिए विधानसभा में बहुत जरूरी है। यह पूरे महा विकास अघाड़ी गठबंधन की इच्छा है।

मेयर चुनाव और बीजेपी पर निशाना

मुंबई की नई मेयर रितु तावड़े को लेकर भी संजय राउत ने कड़े शब्द इस्तेमाल किए। उन्होंने उन्हें 'कांग्रेस से उधार लिया हुआ' उम्मीदवार बताया। राउत ने दावा किया कि बीजेपी को केवल शिवसेना (यूबीटी) के दबाव की वजह से एक मराठी मेयर नियुक्त करना पड़ा है क्योंकि उनकी पार्टी लगातार 'मराठी अस्मिता' का मुद्दा उठा रही थी।

चुनावों को बताया 'बच्चों का खेल'

संजय राउत ने जिला परिषद के चुनावों की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने पैठन का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां एक विधायक छोटे बच्चों को वोट डलवाने ले आए थे और ईवीएम में भी गड़बड़ी की खबरें मिलीं। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि अब चुनाव, चुनाव नहीं रहे बल्कि एक 'बच्चों का खेल' बन गए हैं।

प्रयागराज संगम में हुआ अजित पवार का अस्थि विसर्जन, परिवार समेत कई नेता रहे मौजूद

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार की अस्थियां रविवार (8 फरवरी 2026) को प्रयागराज संगम में प्रवाहित की गईं. अजित पवार के बेटे जय पवार ने पिता की अस्थियां पूरे विधि-विधान से संगम में प्रवाहित कीं. इस दौरान पुजारियों ने अनुष्ठान किए और शोक संतप्त लोगों द्वारा श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मां गंगा से प्रार्थना की गई.

अस्थि विसर्जन के दौरान परिवार के सदस्य और पार्टी कार्यकर्ता भावुक नजर आए. अजित पवार का परिवार चार्टर्ड फ्लाइट से बारामती से प्रयागराज पहुंचा. रविवार सुबह करीब 11 बजे प्रयागराज एयरपोर्ट पर परिवार का आगमन हुआ.

अस्थियां लेकर एयरपोर्ट से बाहर निकले बेटे जय पवार

पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे जय पवार नंगे पैर अस्थि कलश लेकर एयरपोर्ट से बाहर निकले. इस दौरान हाथ में अस्थियों का बॉक्स देखकर मौजूद लोगों की आंखें नम नजर आईं. सभी लोगों की मौजूदगी में अजित पवार की अस्थियों को अंतिम विदाई दी गई. अजित पवार का परिवार एयरपोर्ट से संगम तक लंबे काफिले के साथ रवाना हुआ. इस बीच प्रयागराज संगम के VIP घाट पर अस्थि विसर्जन की रस्म

पूरी की गई. इस दौरान भाजपा और एनसीपी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे.

निकाली गई थी अस्थि कलश यात्रा

एनसीपी की युवा इकाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज शर्मा की अगुवाई में कश्मीर से कन्याकुमारी तक अस्थि कलश यात्रा निकाली गई थी. यह अस्थि कलश यात्रा 12 राज्यों से होकर गुजरी. यात्रा का समापन रविवार (8 फरवरी) को बेटे जय पवार और परिवार की मौजूदगी में संगम पर हुआ.

बता दें कि एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बारामती विमान हादसे में निधन हो गया था. चार अन्य लोगों की भी इस दुर्घटना में मौत हो गई। 29 जनवरी को अजित पवार के पार्थिव शरीर का बारामती के विद्या प्रतिष्ठान ग्राउंड में अंतिम संस्कार किया गया. यह हादसा उनके प्लेन क्रैश होने की वजह से हुआ था. अजित पवार के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र का उपमुख्यमंत्री बनाया गया.

महाराष्ट्र में फिर गरमाएगा माहौल, 17 फरवरी से ओबीसी आंदोलन का ऐलान – विजय वडेट्टीवार की चेतावनी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में एक बार फिर राजनीतिक और सामाजिक माहौल गर्माने के संकेत मिल रहे हैं। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि आगामी 17 फरवरी से राज्यभर में ओबीसी आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी शुरुआत नागपुर से होगी।

विजय वडेट्टीवार ने स्पष्ट किया कि 17 फरवरी को नागपुर में होने वाला यह आंदोलन राजनीतिक नहीं होगा। जो भी लोग इसमें शामिल होना चाहते हैं, वे बिना किसी राजनीतिक दल या बैनर के आ सकते हैं। यह आंदोलन पूरी तरह से ओबीसी समाज के अधिकारों के लिए होगा।

ओबीसी जनगणना नहीं हुई तो आरक्षण पर पड़ेगा असर

उन्होंने बताया कि सकल ओबीसी मोर्चा और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर वे लंबे समय से आरक्षण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जनगणना और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से संबंधित जो दिशा-निर्देश सामने आए हैं, उन पर विदर्भ के सभी ओबीसी नेताओं के बीच चर्चा हुई है।

वडेट्टीवार ने कहा कि यदि ओबीसी जनगणना नहीं होती है, तो इसका सीधा असर आरक्षण पर पड़ेगा। साथ ही, स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों में भी ओबीसी वर्ग को परेशानियों

का सामना करना पड़ सकता है। इसी कारण अब इस मुद्दे को राज्यव्यापी आंदोलन के माध्यम से आगे लाया जाएगा।

नागपुर के संविधान चौक से होगी शुरुआत

विजय वडेट्टीवार ने बताया कि 17 फरवरी को नागपुर के संविधान चौक पर धरना आंदोलन के जरिए इसकी शुरुआत की जाएगी। जब तक ओबीसी वर्ग को जनगणना में शामिल नहीं किया जाता, तब तक राज्यभर में बड़े स्तर पर आंदोलन जारी रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिला और विभाग स्तर पर मोर्चे निकाले जाएंगे और ओबीसी समाज की मांगों को सरकार के सामने मजबूती से रखा जाएगा।

ओबीसी युवा सम्मेलन का भी ऐलान

वडेट्टीवार ने यह भी जानकारी दी कि मार्च के पहले सप्ताह में ओबीसी युवा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि यूजीसी में किए गए सुधारों के जरिए ओबीसी के अधिकारों को कमजोर करने का प्रयास किया गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि 'महा ज्योति' योजना होने के बावजूद पर्याप्त धनराशि नहीं मिल रही है और बड़ी संख्या में छात्र होने के बाद भी यह योजना पूरी क्षमता से लागू नहीं हो पा रही है, जो चिंता का विषय है।

राष्ट्रीय ओबीसी आरक्षण और जनगणना को लेकर अपील

उन्होंने ओबीसी समाज से अपील की कि जब तक जनगणना में ओबीसी कॉलम शामिल नहीं किया जाता, तब तक वर्तमान जनगणना में भाग न लें और अपने घरों के बाहर विरोध दर्ज कराएं।

वडेट्टीवार ने कहा कि जब जनगणना में ओबीसी कॉलम शामिल किया जाएगा, तभी ओबीसी समाज जनगणना में भाग लेगा।

मंगलसूत्र विवाद पर तीखी प्रतिक्रिया

परीक्षा केंद्र पर मंगलसूत्र के कारण महिला अभ्यर्थियों को रोके जाने की घटना पर विजय वडेट्टीवार ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि विवाहित महिलाओं को परीक्षा देने से वंचित करना गलत सोच है।

उन्होंने मांग की कि यदि किसी महिला को मंगलसूत्र के कारण परीक्षा से वंचित किया गया है, तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस बयान के जरिए उन्होंने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े किए।

राजनीति में बड़ा भूचाल; भाजपा और शिवसेना (ठाकरे गुट) साथ आएंगे? भाजपा की ओर से ठाकरे गुट को बड़ी पेशकश!

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राजनीतिक गलियारों से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। भाजपा और शिवसेना (ठाकरे गुट) के एक साथ आने की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा की ओर से शिवसेना (ठाकरे गुट) को एक बड़ी पेशकश दी गई है।

राज्य में इस समय स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों की सरगर्मी जारी है। सबसे पहले नगर परिषद और नगर पंचायतों के चुनाव हुए, जिनमें भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। इसके बाद राज्य में महानगरपालिकाओं के चुनाव हुए, जिनमें भी भाजपा ही राज्य की सबसे बड़ी पार्टी रही। इस बीच शनिवार को जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनावों के लिए मतदान संपन्न हुआ है। कल इन चुनावों की मतगणना होनी है। इससे पहले ही राज्य की राजनीति से एक बड़ी खबर सामने आई है, जिससे राजनीतिक समीकरण बदलने की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा की ओर से शिवसेना (ठाकरे गुट) को बड़ी पेशकश दी गई है।

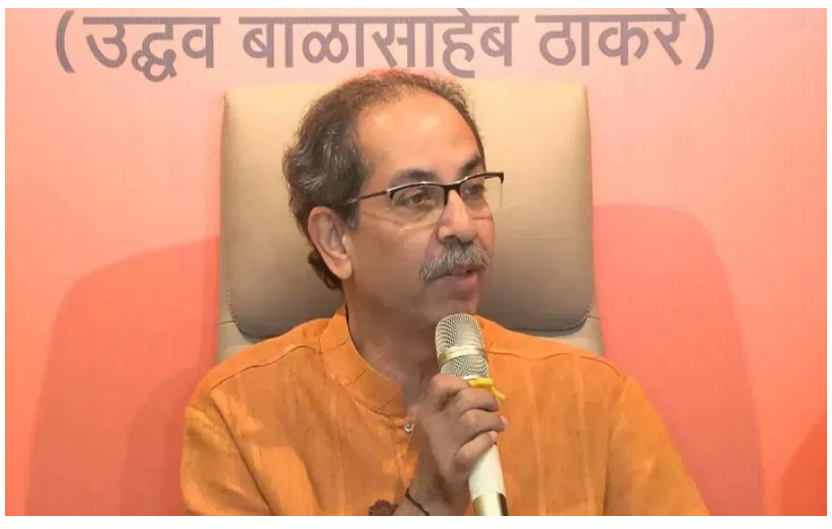

महानगरपालिका चुनावों में भाजपा राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। इन चुनावों में कई जगहों पर भाजपा ने शिवसेना (शिंदे गुट) के साथ गठबंधन किया था। हालांकि भाजपा इन चुनावों में बड़ी पार्टी रही, लेकिन कई स्थानों पर अपने महापौर को बैठाने के लिए उसे सहयोगी दलों के समर्थन की जरूरत पड़ रही है। जहां सहयोगी दलों की सीटें कम हैं, वहां भाजपा अन्य दलों का समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रही है। अब चंद्रपुर से एक बड़ी खबर सामने आई है। चंद्रपुर में भाजपा ने शिवसेना (ठाकरे गुट) को बड़ी पेशकश दी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, चंद्रपुर में भाजपा ने शिवसेना (ठाकरे गुट) को सवा साल का महापौर पद, पांच में से दो साल के लिए स्थायी समिति के अध्यक्ष पद और उपमहापौर पद की पेशकश की है। सामने आई जानकारी के मुताबिक, भाजपा ने शिवसेना (ठाकरे गुट) को सवा साल का महापौर पद देने की पेशकश की है। हालांकि, पहले सवा साल के लिए महापौर कौन होगा, इस पर अब शिवसेना (ठाकरे गुट) में चर्चा शुरू हो गई है।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा की मांग है कि पहले सवा साल भाजपा का महापौर होगा। यदि शिवसेना (ठाकरे गुट) को यह फॉर्मूला मंजूर नहीं होता है, तो भाजपा विपक्ष में बैठने की तैयारी में है, ऐसी जानकारी भी सामने आ रही है।

मुंबई से 100 समुद्री मील दूर बड़ी हलचल, सीधे तीन संदिग्ध जहाज–तटरक्षक दल की बड़ी कार्रवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई तट से लगभग 100 समुद्री मील दूर समुद्र में बड़ी गतिविधियां देखने को मिली हैं। भारतीय तटरक्षक दल ने एक बेहद बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है और कुल तीन जहाज जब्त किए गए हैं।

भारतीय तटरक्षक दल ने मुंबई के तट से करीब 100 मील की दूरी पर यह बड़ी कार्रवाई की। मुंबई के तट के बेहद पास तीन बड़े जहाजों पर कार्रवाई कर एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया गया। मुंबई पश्चिम से 100 समुद्री मील दूर तटरक्षक दल को तीन संदिग्ध जहाज मिले। इन जहाजों पर निगरानी रखी गई। इस दौरान जहाजों की जांच और दस्तावेज़ों की पड़ताल की गई, जिसमें बड़ा खुलासा हुआ।

मुंबई समुद्रतट से 100 मील दूर बड़ी घटनाएं

तटरक्षक दल द्वारा जांच में पता चला कि इन जहाजों के मालिक अन्य देशों में निवास करते हैं। 5 फरवरी से ही इन जहाजों पर कड़ी नजर रखी जा रही थी। जहाजों पर संदिग्ध गतिविधियां चल रही थीं, जिसके बाद सीधे जांच की गई। पूछताछ में स्पष्ट हुआ कि ये जहाज तेल तस्करी में शामिल थे।

भारतीय तटरक्षक दल की बेहद बड़ी कार्रवाई

तटरक्षक दल 5 फरवरी से जहाजों पर निगरानी रखे हुए था। अंततः शनिवार, 7 फरवरी 2026 को कार्रवाई की गई। जांच में सामने आया कि ये तीनों जहाज समुद्र में तेल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों का अवैध रूप से एक जहाज से दूसरे जहाज में स्थानांतरण कर रहे थे। जांच के बाद तीनों जहाजों को मुंबई बंदरगाह लाया गया है और आगे की कार्रवाई जारी है। इस घटना से बड़ी हलचल मची हुई है।

तीनों जहाज भारत की हिरासत में, मुंबई बंदरगाह पर

भारतीय तटरक्षक दल ने यह बड़ी कार्रवाई की है। तीनों जहाजों के कर्मचारी भी भारत की हिरासत में हैं। हर एंगल से मामले की जांच की जा रही है। मुंबई के बेहद करीब की गई इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। यह जहाज कहां से आए थे और मुंबई तट से कहां जाने वाले थे–इसकी जांच की जा रही है। बीते कुछ दिनों से समुद्र में कार्रवाई तेज हुई है और हर जहाज पर भारतीय तटरक्षक दल की कड़ी नजर बनी हुई है।

कोई भी हिंदू बन सकता है संघ प्रमुख, मोहन भागवत ने कही बड़ी बात, अंग्रेजी पर भी रखे विचार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल पूरे होने पर देशभर के अलग-अलग शहरों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. इसी कड़ी में मुंबई में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बताया कि संघ का प्रमुख कोई भी बन सकता है. हां जो भी बनेगा वह हिंदू ही होगा.

संघ प्रमुख ने कहा कि अंग्रेजी से हमारा कोई बैर नहीं है. जहां अंग्रेजी के बिना काम नहीं चलता है. वहां हम अंग्रेजी भाषा का उपयोग करते हैं. हमारा प्रयास रहता है कि अपनी मातृभाषा या फिर हिन्दी भाषा का ही प्रयोग करें.

उन्होंने आगे कहा कि अंग्रेजी भाषा कभी भीं ंएए का हिस्सा नहीं होगी क्योंकि यह भारतीय भाषा नहीं है. अंग्रेजी का इस्तेमाल तभी किया जाएगा जब जरूरी होगा. हिंदी जैसी भारतीय भाषाएं बहुत ज़रूरी हैं और ंएए सिर्फ़ भारतीय भाषाओं का ही इस्तेमाल करेगा.

संघ नहीं चलाता सरकार- भागवत

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने साफ किया कि संघ सरकार नहीं चलाता है. उन्होंने कहा किंएए और ँव्ह अलग हैं. प्रोपेगेंडा खत्म, स्वयंसेवक कहीं भी हों पर संगठन का राजनीति से सीधा वास्ता नहीं है. संघ ने पहले से तय किया हुआ कि समाज के अलावा कोई और दूसरा काम नहीं करना है. संघ के पास केवल एक ही काम है वह समाज को एक करना है.

कोई भी बन सकता है संघ प्रमुख-

मोहन भागवत

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मुंबई के कार्यक्रम के कहा कि संघ का प्रमुख कोई ब्राह्मण नहीं बन सकता है. कोई क्षत्रिय नहीं बन सकता, कोई अन्य जाति का नहीं बन सकता है. हां लेकिन जो कोई भी संघ का प्रमुख बनेगा वह हिन्दू ही होगा. मतलब साफ है कि संघ में किसी जाति का होने से कोई मतलब नहीं है. सब लोग समान हैं.

उन्होंने आगे कहा कि संघ में दायित्व से नियुक्ति होती है, न कि कार्य से, दायित्व से नियुक्त होने के बाद भी संघ का काम जीवन भर चलता रहता है. सक्रियता भी शरीर की सक्रियता तब तक बनी रहती है.उन्होंने कहा कि नियुक्ति की कोई निश्चित पद्धति नहीं है, यह व्यक्ति की योग्यता और आवश्यकता के आधार पर की जाती है.

आगे कहा कि पहले संघ का काम एक ही बस्ती में शुरू हुआ था. उस समय पदाधिकारी ब्राह्मण थे, जिससे लोगों को लगता था कि यह ब्राह्मणों का संघ है. लेकिन, अब संघ का काम बढ़ गया है और यह भौगोलिक क्षेत्र में बढ़ाया जा रहा है, न कि जाति या वर्ग के आधार पर इसको बढ़ाया जा रहा है.

परिस्थिति का विचार नहीं, काम कैसे करना है इस पर होता है विचार- संघ प्रमुख

मोहन भागवत ने कहा कि परिस्थितियों का विचार करने से फायदा नहीं है, बल्कि हमें उन परिस्थितियों में कैसे काम करना है, इसका विचार करना चाहिए. आपने कहा है कि परिस्थितियां तो आती और जाती हैं, लेकिन हमें अपने काम को आगे बढ़ाने के लिए उन परिस्थितियों में कैसे काम करना है, इसका विचार करना चाहिए।

सम्पादकीय

चुनाव से पहले सौगातें, बाद में सवाल अब हस्तक्षेप की बारी, मुफ्त उपहारों की राजनीति पर रोक की सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद

देश में चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक दलों की ओर से मतदाताओं को रिझाने के लिए जिस तरह मुफ्त तोहफों या उपहारों की राजनीति की जा रही है, उसने एक तरह से नतीजों की शुचिता को कसौटी पर रख दिया है। भारतीय राजनीति में पिछले कई वर्षों से यह प्रवृत्ति जटिल होती गई है। हालांकि इस मसले पर सवाल भी उठे हैं और मुफ्त तोहफों के जरिए मतदाताओं को प्रभावित करने को लोकतंत्र के लिए एक घातक चलन बताया गया है। विडंबना यह है कि लगभग सभी राजनीतिक दल इस प्रवृत्ति पर सवाल उठाते हैं, लेकिन मौका मिलने पर वे भी इसी तरीके को एक औजार की तरह इस्तेमाल करते हैं।

खासतौर पर जो दल या गठबंधन सत्ता में होते हैं, वे वादों या घोषणाओं के साथ-साथ चुनावों के ठीक पहले कोई योजना या कार्यक्रम लागू करने के जरिए भी मतदाताओं को लाभ पहुंचाने की कोशिश करते हैं। समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट ने भी मुफ्त उपहारों को भारतीय राजनीति में एक घातक प्रवृत्ति बताया है, लेकिन इस पर रोक को लेकर अब तक कोई ठोस नियमन सामने नहीं आ सका है।

यही वजह है कि आज राजनीतिक दलों के बीच एक तरह की होड़ देखी जाती है कि वोट हासिल करने के लिए मतदाताओं को कौन कितना ज्यादा लाभ पहुंचाने की घोषणा करता है। नतीजतन, स्वच्छ चुनाव और विवादरहित नतीजे आज एक सदिच्छा की तरह लगने लगे हैं। राजनीतिक दलों से यह उम्मीद करना मुश्किल हो गया लगता है कि इस दिशा में वे अपनी ओर से कोई ऐसी पहल करेंगे, जो चुनावी जीत के लिए मुफ्त की रेवड़ियों के चलन पर रोक लगाएं। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इस मसले पर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दी है, तो इससे एक बार फिर मुफ्त की चुनावी रेवड़ियों पर लगाम लगने की उम्मीद जगी है।

गौरतलब है कि करीब चार साल पहले सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने केंद्र और निर्वाचन आयोग से उस याचिका पर जवाब मांगा था, जिसमें चुनाव से पहले 'अतार्किक मुफ्त उपहार की घोषणा' या इसे वितरित करने वाली राजनीतिक पार्टी का चुनाव चिह्न जब्त या उसका पंजीकरण रद्द करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। उस समय पीठ ने इसे गंभीर मुद्दा करार दिया था और कहा था कि कभी-कभी मुफ्त उपहार योजना का बजट नियमित बजट से अधिक हो जाता है।

सवाल है कि अगर कोई मतदाता मुफ्त की सौगात दिए जाने के असर में किसी उम्मीदवार को वोट देता है, तो क्या यह एक तरह की सौदेबाजी नहीं कही जाएगी? अगर कोई सत्ताधारी पार्टी चुनावों के ठीक पहले किसी योजना या कार्यक्रम के जरिए मतदाताओं को आर्थिक लाभ पहुंचाती है, तो उसकी जीत को कितना निष्पक्ष माना जाएगा? दिनोंदिन बढ़ती मुफ्त उपहारों की राजनीति के बीच होने वाले चुनाव को किस हद तक स्वच्छ और स्वतंत्र कहा जाएगा?

अफसोस की बात यह है कि लंबे समय से इस पर सवाल उठने के बावजूद अब तक इस दिशा में ऐसा कानून जमीन पर नहीं दिखता है, जो राजनीतिक दलों को मतदाताओं के सामने मुफ्त उपहारों का लोभ परोसने और इसके जरिए उनका वोट हासिल करने की कोशिश करने से रोक सके। यह स्पष्ट होना चाहिए कि 'अतार्किक मुफ्त उपहार' के चुनावी वादे मतदाताओं को गलत तरीके से प्रभावित करने की कोशिश हैं और इससे न केवल राजनीतिक दलों के बीच स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा बुरी तरह प्रभावित होती है, बल्कि निर्वाचन प्रक्रिया की शुचिता भी दूषित होती है।

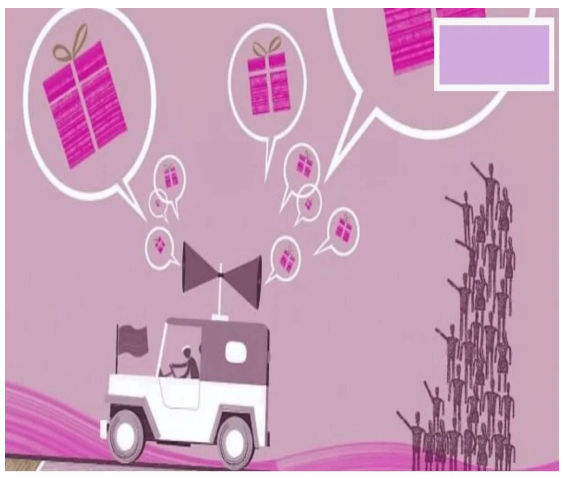

अरावली में पड़ीं 12 दरारें, दिल्ली-एनसीआर के रेगिस्तान में बदलने का खतरा, वन मंत्रालय की रिपोर्ट ने दी चेतावनी

अरावली की पहाड़ियों में उत्खनन से बढ़ रहे खतरे का संकेत पर्यावरण के संरक्षक यों ही नहीं दे रहे थे। इन अनुमानों का सत्य इस पर्वतमाला में पड़ी बारह दरारों से सामने आ गया है। इस कारण अरावली पर्वत श्रृंखलाएं न केवल लगातार कमजोर हुई हैं, बल्कि माना जा रहा है कि ये थार रेगिस्तान से पूर्व की ओर खिसकना शुरू हो गई हैं। इस कारण राजस्थान के जयपुर सहित हरियाणा और दिल्ली क्षेत्र तथा गंगा-यमुना के मैदानी इलाकों के पर्यावरण पर गंभीर एवं विपरीत असर पड़ने का खतरा बढ़ गया है। यह जानकारी वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की ओर से पिछले दिनों जारी एक रपट में दी गई है। इसमें वर्ष 1972-75, 1982-84, 1994-96 और विशेष रूप से 2005-2007 के कालखंड में किए गए क्रमिक उपग्रह आधारित अध्ययनों का हवाला दिया गया है।

इस रपट के अनुसार, अरावली पर्वतमाला पर बनी बारह बड़ी दरारों के माध्यम से रेगिस्तानी रेत पूर्व की ओर बढ़ रही है। वर्ष 2005-07 के बाद अरावली की रेगिस्तान को आगे बढ़ने से रोकने वाली क्षमता में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है, क्योंकि इसी दौर में गुड़गांव समेत दिल्ली-आसपास के क्षेत्र में शहरीकरण के साथ औद्योगिक और प्रौद्योगिकी विस्तार के लिए वनों की कटाई के साथ व्यापक स्तर पर पत्थर उत्खनन हुआ है। इससे नतीजतन पर्वतमाला की बारह प्रमुख दरारें अजमेर की मगरा पहाड़ियों से निकलकर झुंझूनूं के खेतड़ी और माधोगढ़ होते हुए हरियाणा के महेंद्रगढ़ तक फैल गई हैं। इन्हीं कमजोर हिस्सों से थार रेगिस्तान की रेत पूर्व की ओर बढ़ रही है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भी अपने अध्ययन से चेताया था कि आने वाले वर्षों में रेगिस्तान से उठने वाले रेत के तूफान दिल्ली और एनसीआर तक पहुंचकर इनके पर्यावरण को गंभीर रूप से बिगाड़ने का काम कर सकते हैं। मगर इन सर्वेक्षणों और अध्ययनों को संबंधित राज्यों एवं केंद्र सरकार ने शायद गंभीरता से नहीं लिया है।

अरावली की पहाड़ियां दुनिया की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक हैं। लगभग 692 किलोमीटर के दायरे में फैली ये पहाड़ियां गुजरात से शुरू होकर राजस्थान, हरियाणा होते हुए दिल्ली तक पसरी हैं। इन पहाड़ियों का मानव समुदाय के लिए गहरा प्राकृतिक महत्त्व है। इस क्षेत्र में रहने वाले जीव-जगत की सांसें इन पर्वतमालाओं से गुजरने वाली शुद्ध हवा पर निर्भर है। इन्हीं पहाड़ियों की ओट पश्चिमी रेगिस्तान को फैलने से रोके हुए है, अन्यथा हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश की जो उपजाऊ भूमि है, उसे रेगिस्तान में तब्दील होने में समय नहीं लगेगा। इन पहाड़ियों की हरियाली नष्ट होने से आसपास के क्षेत्र में शुष्कता का विस्तार हो रहा है और गर्मी बढ़ रही है। इसके परिणामस्वरूप भू-जल स्तर भी आशंका से कहीं ज्यादा नीचे जा रहा है। लोगों में सांस और दमा की बीमारियां बढ़ रही हैं।

रपट में कहा गया है कि अरावली पर्वत श्रृंखला सामान्य परिस्थितियों में तापमान को डेढ़ से ढाई डिग्री तक नियंत्रित रखने और भू-जल के पुनर्भरण में अहम भूमिका निभाती है। इनमें प्रति हेक्टेयर बीस लाख लीटर भू-जल पुनर्भरण की अद्वितीय क्षमता है। इन पहाड़ियों के लगातार क्षरण एवं मरुस्थलीकरण के खतरे से दिल्ली और आसपास के भू-भागों का तापमान बढ़ा है और धूल से भरी आंधियों की अवधि बढ़ने के साथ इनकी तीव्रता में भी तेजी आई है। पर्यावरण विशेषज्ञों का अनुमान है कि हरियाणा की 8.2 फीसद भूमि मरुस्थलीकरण के दायरे में है, क्योंकि वर्ष 2019 तक ही अरावली का लगभग 5.77 लाख हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र उत्खनन से तबाह हो चुका था। इससे स्पष्ट है कि विकास की प्रक्रिया में अवैज्ञानिक तरीकों की जानकारी होने के बावजूद अरावली संकट को नजरअंदाज किया गया है।

पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर अरावली पहाड़ियों को नए सिरे से परिभाषित किया गया। इस परिभाषा से संरचनात्मक विरोधाभास की स्थिति निर्मित हुई और लगा कि इससे अनियंत्रित खनन को बढ़ावा मिल सकता है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने अपनी रपट में न्यायालय को बताया था कि सौ मीटर से ऊंची पहाड़ियों को ही अरावली पर्वतमाला माना जाएगा। अर्थात निन्यानबे मीटर तक की ऊंची पहाड़ियां अरावली के हिस्से से बाहर हो जातीं। इससे अरावली के बड़े क्षेत्र में उत्खनन का रास्ता खुल जाता।

इससे यह आशंका भी पैदा हुई कि आखिर सरकार इन पहाड़ियों को इस तरह से परिभाषित करके किसके हित साधना चाहती है? जबकि इन पहाड़ियों की ऊंचाई के कारण ही ये प्राकृतिक रूप से उड़ने वाली धूल को रोकने का काम करती हैं। इसके साथ ही सरकार की ओर से यह भी कहा गया कि अरावली के कुल 1.44 लाख वर्ग किमी क्षेत्र में से फिलहाल 0.19 फीसद भू-भाग में ही उत्खनन के पट्टे दिए जा रहे हैं। हालांकि बाद में तर्कों के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली की परिभाषा से संबंधित अपने निर्देशों पर रोक लगा दी।

अरावली पर्वतमाला पारिस्थितिकी रूप से बेहद महत्त्वपूर्ण हैं। इसीलिए इसके व्यापक पुनर्स्थापन और ठोस संरक्षण की जरूरत है, न कि पहाड़ियों को पुनर्भाषित करके इनके दोहन को बढ़ावा देने की? ये पर्वतमाला मैदानी क्षेत्रों को रेगिस्तान में बदलने से तो रोकती ही है, इन्हीं पहाड़ियों में कई छोटी-बड़ी नदियों के उद्गम स्थल हैं। अनेक झील, झरने और तालाब इस पर्वतमाला के बीच में प्राकृतिक रूप से अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं, जो न केवल क्षेत्र के जीव-जगत को पानी उपलब्ध कराते हैं, बल्कि भूजल पुनर्भरण का काम भी करते हैं।

यही नहीं, इन पहाड़ियों के गर्भ में इमारती पत्थर, संगमरमर, ग्रेनाइट और चूना बड़ी मात्रा में समाया हुआ है। साथ ही जस्ता, तांबा, लेड और टंगस्टन जैसे दुर्लभ खनिज भी इनकी कोख में मौजूद हैं। मगर इस खनिज संपदा के दोहन के लिए पहले यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि पर्यावरण को किसी तरह की क्षति न पहुंचे।

इसे वर्तमान विकास की विडंबना ही कहा जाएगा कि अधिकतम प्राकृतिक संपदाओं के दोहन को आधुनिक एवं आर्थिक विकास का नीतिगत आधार बना दिया गया है। इस बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि हमारे यहां जिस तरह से प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हो रहा है, उस लिहाज से मौजूदा आर्थिक विकास की निरंतरता कैसे बनी रह सकती है। यह सवाल भी अनुत्तरित है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर विकास को आगे बढ़ाना कितना नुकसानदेह साबित हो सकता है। दीर्घकालिक दृष्टि से देखें, तो विकास की यह अवधारणा उस बहुसंख्यक आबादी के लिए जीने का भयावह संकट खड़ा कर सकती है, जिसकी रोजी-रोटी की निर्भरता प्रकृति पर ही अवलंबित है।

हालांकि अरावली पर्वतमाला में पड़ी कई दरारों को लेकर उपग्रह सर्वेक्षणों के खुलासे और पर्यावरणविदों की राय के बाद शीर्ष न्यायालय ने इस मसले पर पुनर्विचार करने का निर्णय लिया है। इसलिए यह उम्मीद बंधी है कि अरावली संकट से जुड़े तमाम पहलुओं पर अब नए सिर से बहस होगी और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी चिंता का समाधान औद्योगिक विकास एवं वाणिज्यिक लाभ-हानि के गुणा-भाग से परे जल, जंगल और जमीन के रख-रखाव के पैमाने पर होगा।

ब्राह्मण : भारतवर्ष का मस्तक, चेतना की अखंड परंपरा

'जो राष्ट्र की आत्मा की रक्षा करे, वही उसका मस्तक होता है।'

प्रोफ़ेसर डॉ दयानंद तिवारी
प्रवक्ता भाजपा,
मुंबई, महाराष्ट्र

मैं ब्राह्मण हूँ।

यह वाक्य किसी वर्चस्व का उद्घोष नहीं, बल्कि एक उत्तरदायित्व का स्वीकार है। यह सत्ता का दावा नहीं, सेवा का व्रत है। ब्राह्मण होना जन्म का नहीं, कर्म और चेतना का विषय है–वह चेतना जो स्वयं भूखी रहकर भी समाज के लिए 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की कामना करती है। भारतीय सभ्यता में ब्राह्मण कभी केवल एक सामाजिक वर्ग नहीं रहा; वह विचार, विवेक, तप और करुणा की निरंतर साधना रहा है–राष्ट्र की आत्मा का प्रहरी।

ब्राह्मण का धर्म मंच से घोषणा करना नहीं, मौन में दीप जलाए रखना है। मंदिर में बैठकर जब वह 'लोकाः समस्ताः सुखिनो भवन्तु' का उच्चारण करता है, तब वह किसी एक जाति, वर्ग या समूह के लिए नहीं, समस्त मानवता के लिए प्रार्थना करता है। यही कारण है कि ब्राह्मण ने इतिहास में शोर नहीं मचाया–उसने समय के शोर में भी विवेक की आवाज़ को जीवित रखा। उसका जीवन स्वार्थ के केंद्र में नहीं, कर्तव्य के आलोक में रहा है।

भारत जब दिशाहीन हुआ, तब ब्राह्मण परंपरा ने दिशा दी। अधर्म के विरुद्ध परशुराम का शस्त्र भी धर्म से बँधा था। चाणक्य की नीति केवल सत्ता-प्राप्ति का सूत्र नहीं थी, वह राष्ट्र-निर्माण का दर्शन थी। आदि शंकराचार्य ने मतभेदों को संघर्ष नहीं बनने दिया–उन्होंने भारत को दर्शन की एक चेतना-डोर में बाँधा। यह कोई संयोग नहीं था; यह राष्ट्रबोध की साधना थी।

भक्ति और अध्यात्म के क्षेत्र में भी ब्राह्मण परंपरा ने पलायन नहीं सिखाया, बल्कि जीवन में उतरने वाला धर्म दिया। रामकृष्ण परमहंस की करुणा हो या समर्थ रामदास की राष्ट्रचेतना–आध्यात्म यहाँ कायरता नहीं, साहस का स्रोत बना। मराठा साम्राज्य की प्रशासनिक और सैन्य रीढ़ बने पेशवा हों या 1857 की क्रांति की पहली चिनगारी–रणभूमि में भी ब्राह्मण का शौर्य उन्माद नहीं, उत्तरदायित्व रहा।

आधुनिक भारत के जागरण में भी यही परंपरा प्रवाहित होती दिखती है। स्वराज्य को केवल राजनीतिक लक्ष्य नहीं, सांस्कृतिक संकल्प बनाने वाले विचारक; समाज को आत्मसम्मान का पाठ पढ़ाने वाले सुधारक–ये सभी उस चेतना के वाहक थे जो भारत को आत्मविस्मृति से बाहर निकालना चाहती थी। यहाँ ब्राह्मण सत्ता के निकट नहीं, सत्य के निकट रहा।

कला, साहित्य और विज्ञान में भारत की पहचान जिस ऊँचाई तक पहुँची, वहाँ भी साधना का यही प्रवाह दिखता है। काव्य में सौंदर्य, संगीत में साधना और विज्ञान में जिज्ञासा–ये सब एक ही चेतना की भिन्न अभिव्यक्तियाँ हैं। यह परंपरा केवल अतीत नहीं है; यह आज भी जीवित है।

आज जब ब्राह्मणों को जानबूझकर कमजोर दिखाने, अपराधबोध थोपने या प्रतीकात्मक दुश्मन बनाने की कोशिश होती है, तब प्रश्न उठता है–ब्राह्मण ने माँगा क्या है?

न सत्ता।

न संपत्ति।

न विशेषाधिकार।

उसने केवल यह माँगा है कि उसे उसके कर्तव्य से वंचित न किया जाए, उसकी परंपरा को अपमानित न किया जाए। ब्राह्मण का संघर्ष कभी आरक्षण या संसाधनों के लिए नहीं रहा; उसका संघर्ष चेतना की रक्षा के लिए रहा है। वह समाज को तोड़ने नहीं, जोड़ने वाला सूत्र रहा है–भाषा से, संस्कृति से, संस्कार से।

आज भी ब्राह्मण कमजोर नहीं है–न विचार में, न चरित्र में, न राष्ट्रधर्म में। वह देश की सुरक्षा, समृद्धि, एकता और अखंडता का प्रतीक है। सीमाओं पर खड़ा सैनिक हो या प्रयोगशाला में शोधरत वैज्ञानिक, विद्यालय में पढ़ाता शिक्षक हो या गाँव में संस्कार सिखाता पुजारी–हर जगह वही भाव है: कर्तव्य पहले, स्वयं बाद में।

इतिहास की सरलीकृत व्याख्याएँ जब ब्राह्मण को केवल प्रभुत्व के चश्मे से देखती हैं, तब वे उसकी सबसे बड़ी विशेषता–उत्तरदायित्व–को अनदेखा कर देती हैं। ब्राह्मण का निर्णायक तत्व प्रभुत्व नहीं, दायित्व रहा है। ज्ञान का संरक्षण, नैतिक विवेक का संवर्धन और संकट में समाज के साथ खड़ा रहना–यही उसकी पहचान है।

तुलसी के शब्दों में–

'धीरज धरम मित्र अरु नारी,
आपद काल परखिए चारी।'

हर आपदा-काल में ब्राह्मण परंपरा परखी गई–और वह खरा उतरी।

और फिर–

'परहित सरिस धरम नहिं भाई।'

परहित–यही ब्राह्मण का धर्म रहा है।

ब्राह्मण का अपमान किसी एक वर्ग का अपमान नहीं, भारत की चेतना का अपमान है। चेतना को झुकाकर कोई राष्ट्र महान नहीं बनता। चेतना को सम्मान देकर ही राष्ट्र सुरक्षित, समृद्ध और सशक्त होता है।

भारतवर्ष का मस्तक झुकना नहीं चाहिए–

क्योंकि मस्तक झुकता है तो दृष्टि धुंधली हो जाती है,

और जब दृष्टि धुंधली हो, तो राष्ट्र भटकता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता : मोदी नेतृत्व की वैश्विक दृढ़ता

अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में कोई भी समझौता केवल आंकड़ों या कर-प्रतिशतों तक सीमित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, नेतृत्व की दृढ़ता और भविष्य की दिशा का भी संकेतक होता है। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक सहमति, जिसके अंतर्गत प्रस्तावित 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, इसी दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटना है। यह निर्णय केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन और भारत की बढ़ती सौदेबाजी क्षमता का प्रमाण है। यहां 'देर आए, दुरुस्त आए' की कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊँचे टैरिफ का दबाव बनाया गया था, तब यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को अंततः झुकना पड़ेगा। वैश्विक व्यापार का हालिया इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि बड़ी शक्तियां अक्सर दबाव की राजनीति के माध्यम से अपने हित साधती हैं। किंतु फरवरी 2025 में आरंभ हुई इस व्यापारिक प्रक्रिया का फरवरी 2026 में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना यह दर्शाता है कि भारत ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। भारत ने समय लिया, परिस्थितियों का मूल्यांकन किया और अंततः संतुलित व सम्मानजनक परिणाम प्राप्त किया।

50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है। अमेरिका जैसी महाशक्ति का अपने रुख में नरमी लाना भारत की आर्थिक ताकत, रणनीतिक धैर्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसमें संवाद है, पर दबाव के आगे समर्पण नहीं। चाहे वह रक्षा सहयोग हो, ऊर्जा सुरक्षा हो या व्यापारिक समझौते-हर क्षेत्र में भारत ने अपने हितों को केंद्र में रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। इस व्यापारिक डील में भी भारत ने बिना झुके, बिना रुके और बिना कमजोर पड़े अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखीं। यही कारण है कि अंततः अमेरिका को अपने प्रस्तावों में संशोधन करना पड़ा। यह केवल एक व्यापारिक जीत नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की दृढ़ता का उदाहरण है। इस समझौते से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक उन्नत स्थिति प्राप्त होगी। कम टैरिफ का अर्थ है कि भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, उनकी पहुंच बढ़ेगी और 'मेक इन इंडिया' को नया प्रोत्साहन मिलेगा। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कृषि-आधारित उत्पाद और उभरते तकनीकी क्षेत्र-सभी को इससे दीर्घकालिक लाभ होने की संभावना है। भारत अब केवल सस्ता श्रम या कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला देश नहीं, बल्कि मूल्यवर्धित उत्पादन और नवाचार की दिशा में अग्रसर अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय दल की बैठक में जिस संयम और आत्मविश्वास के साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को 'निरंतर धैर्य का परिणाम' बताया, वह उनकी कूटनीतिक शैली का सार है। यह समझौता किसी अचानक हुए घटनाक्रम का नतीजा नहीं, बल्कि एक वर्ष तक चली रणनीतिक प्रतीक्षा, विकल्पों के विस्तार और संतुलित संवाद का परिणाम है। मोदी ने स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार ने विपक्ष की आलोचनाओं और तात्कालिक दबावों के बावजूद धैर्य नहीं छोड़ा, क्योंकि वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति में जल्दबाज़ी अक्सर महंगी पड़ती है। अमेरिका का झुकना किसी भावनात्मक मित्रता का परिणाम नहीं, बल्कि ठोस रणनीतिक विवशता का नतीजा है। बीते एक वर्ष में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके पास विकल्प हैं-रूस के साथ ऊर्जा सहयोग, यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी बढ़ती भूमिका।

यदि वाशिंगटन भारत पर एकतरफा दबाव बनाए रखता, तो अमेरिकी कंपनियां दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बड़े बाजार से बाहर हो जातीं। ट्रंप द्वारा 500 अरब डॉलर के आयात, शून्य टैरिफ और रूसी तेल त्यागने जैसे नाटकीय दावे इसी दबाव की राजनीति का हिस्सा थे, जिन्हें भारत ने न तो सार्वजनिक टकराव का मुद्दा बनाया और न ही स्वीकारोक्ति दी। मोदी का इन पर मौन यह दर्शाता है कि भारत इस घटनाक्रम को अंतिम समझौते के रूप में नहीं, बल्कि दिशा-निर्धारण के रूप में देख रहा है। इसके विपरीत, भारतीय विपक्ष इस पूरे प्रकरण में अपनी राजनीतिक अधीरता और रणनीतिक अपरिपक्वता को उजागर करता रहा। उसने टैरिफ को लेकर तात्कालिक लाभ-हानि की भाषा में सरकार को घेरने की कोशिश की, जबकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताएं समय, धैर्य और बहुस्तरीय गणनाओं की मांग करती हैं। विपक्ष यह समझने में असफल रहा कि कूटनीति में कभी-कभी पीछे हटना नहीं, बल्कि प्रतीक्षा करना ही सबसे बड़ा कदम होता है। आज जब अमेरिका को अपना अड़ियल रुख छोड़ना पड़ा है और भारत फिर से वैश्विक प्रतिस्पर्धा की अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिख रहा है, तब यह स्पष्ट है कि मोदी की नीति न केवल दबाव से मुक्त थी, बल्कि दूरदर्शी भी। यही नीति भारत को एक आत्मविश्वासी, प्रभावशाली और सौदे की शर्तें तय करने वाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह वैश्विक व्यापार में दबाव आधारित राजनीति के अंत का संकेत देता है। लंबे समय से बड़ी अर्थव्यवस्थाएं टैरिफ, प्रतिबंध और नीतिगत दबावों के माध्यम से छोटे या उभरते देशों को अपनी शर्तें मानने के लिए विवश करती रही हैं। भारत ने इस प्रवृत्ति को न केवल चुनौती दी, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि आत्मविश्वास, आर्थिक क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी दबाव को संतुलित संवाद में बदला जा सकता है। भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में यह समझौता एक नए राजनीतिक आभामंडल के निर्माण का भी संकेत देता है। यह संबंध अब केवल रणनीतिक या सामरिक सहयोग तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आर्थिक साझेदारी के एक नए स्तर की ओर बढ़ रहा है। इसका प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में बहुध्रुवीय व्यवस्था को और अधिक मजबूती देगा। दुनिया धीरे-धीरे यह स्वीकार कर रही है कि भविष्य का नेतृत्व किसी एक शक्ति के हाथ में नहीं, बल्कि संतुलित साझेदारियों के माध्यम से उभरेगा, और भारत उसमें एक केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

इस व्यापारिक प्रगति से मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय साख में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साख किसी प्रचार या दावे पर नहीं, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। भारत आज विश्व मंच पर एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक स्थिरता और सहयोग में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है। यही संतुलन उसे अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से अलग पहचान देता है। महाशक्ति बनने की भारत की यात्रा भावनात्मक नारों पर नहीं, बल्कि आर्थिक आंकड़ों, रणनीतिक समझौतों और वैश्विक स्वीकार्यता पर आधारित है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, और इस प्रकार के व्यापारिक समझौते उस यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत को आगे बढ़ने से रोक पाना अब किसी के लिए आसान नहीं है। निश्चित तौर पर यह व्यापारिक समझौता भारत की परिपक्व कूटनीति और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार की दुनिया में कोई भी निर्णय केवल आर्थिक गणित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, आत्मसम्मान और नेतृत्व की परिपक्वता का भी प्रमाण होता है। देर से लिया गया सही निर्णय, जल्दबाजी में किए गए गलत समझौतों से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। भारत ने धैर्य रखा, आत्मसम्मान बनाए रखा और अंततः अपने हितों के अनुरूप परिणाम हासिल किया। निश्चित ही नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल सुरक्षित है, बल्कि आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है और यह विश्वास ही उसे महाशक्ति बनने की उड़ान देता है।

'श्रीकृष्णार्पित गीतायन – अध्याय 9

राजविद्या योग

माघ मेला, प्रयागराज स्थित कृष्णार्पित पंडाल में नौवें दिवस की कथा

श्रीकृष्णार्पित कथा : राजविद्या योग का अमृत सभा शांत है। दीप प्रज्वलित है। मंच पर कथा-वाचक इं. देवेंद्र नाथ शुक्ल कृष्णार्पित के स्वर में गूंजता है–
आज यह कथा इं. देवेंद्र नाथ शुक्ल 'कृष्णार्पित' के भाव-संसार से उपजी उस साधना की कथा है,
जिसमें ज्ञान भी है, विज्ञान भी,
और सबसे ऊपर–भक्ति का प्रत्यक्ष अनुभव।

कथा का प्रारंभ
जब कुरुक्षेत्र में अर्जुन का मन मोह से भर उठा,
तब श्रीकृष्ण ने केवल शस्त्र का ज्ञान नहीं दिया,
उन्होंने राजविद्या का रहस्य खोला।
अक्षर योग पार्थ को, कृष्ण दिये बतलाय।
मुक्ति अशुभ से मिले ज्यों, कर्म रहे समुझाय?
हे अर्जुन!
कर्म से भागना कायरता है,
पर कर्म को मुझमें अर्पित कर देना–
यही वीरता है।

अनसूय शिष्य को गूढ़ ज्ञान
श्रीकृष्ण कहते हैं–
यह ज्ञान सबको नहीं दिया जाता,
केवल उसी को
मिलता है
जिसके हृदय में
ईर्ष्या नहीं,
जिसकी दृष्टि दोष
खोजने की नहीं।

ईष्या डाह नहीं है
जिनमें, दोष दृष्टि
नहिं होती।
अनसूय कहे जाते
हैं, प्रभु को अतिशय
भाती?
इसीलिए प्रभु अर्जुन
से कहते हैं–
इदं तु ते गुह्यतमं
प्रवक्ष्याम्यनसूयवे।
ज्ञानं विज्ञानसहितं यज्ज्ञात्वा
मोक्ष्यसेऽशुभात्?
यह वही क्षण है जहाँ
ज्ञान दर्शन बन जाता है
और दर्शन–अनुभव।

राजविद्या का वैभव
इं. देवेंद्र नाथ शुक्ल कृष्णार्पित की वाणी में यह भाव उतरता
यह ज्ञान कोई बोझ नहीं,
यह साधना कोई कठिन
तप नहीं।
प्रत्यक्ष जानो धर्म यह,
सुख का यह भंडार।
मन-बुद्धि से परे सदा,
अनुभव का विस्तार?
श्रीकृष्ण स्वयं कहते हैं–
प्रत्यक्षावगमं धर्म्यं सुसुखं
कर्तुमव्ययम्?
यह ऐसा धन है
जो खर्च करने से घटता
नहीं,
बाँटने से बढ़ता है।

श्रद्धा का महत्व
पर प्रभु स्पष्ट चेतावनी भी देते हैं–
श्रद्धा बिना जो धर्म चले, पथ से भटके प्राणी।
जन्म-मरण में घूमता, न पावे प्रभु वाणी?
अश्रद्दधानाः पुरुषा धर्मस्यास्य परन्तप।
अप्राप्य मां निवर्तन्ते मृत्युसंसारवर्त्मनि?
श्रद्धा ही सेतु है
जीव और ईश्वर के बीच।

भगवान की सर्वव्याप्ति
इं. देवेंद्र नाथ शुक्ल 'कृष्णार्पित' कथा में कहते हैं–
भगवान हर जगह हैं,
पर किसी में बंधे नहीं।
जग मुझमें सब स्थित सदा, मैं जग में न बंधाय।
माया मेरे अधीन है, फिर भी अछूता काय?
मया ततमिदं सर्वं जगदव्यक्तमूर्तिना।
मत्स्थानि सर्वभूतानि न चाहं तेष्ववस्थितः?
जैसे आकाश में वायु रहती है,
वैसे ही जीव प्रभु में रहते हैं।

भक्ति का शिखर
कथा का अंतिम स्वर गूंजता है–
जो अपने कर्म,
अपने मन,
अपनी सांसों तक को
श्रीकृष्ण में अर्पित कर देता है–
वह पाप से नहीं डरता,
क्योंकि स्मरण उसे पवित्र कर देता है।
जो मन कृष्ण समर्पित करे, वही पावे ठौर।
कर्म करे पर बंधन न हो, यही भक्ति की डोर?
इं. देवेंद्र नाथ शुक्ल कृष्णार्पित के शब्दों में–
मानव जीवन का लक्ष्य
सिर्फ़ जानना नहीं,
हो जाना है।
ज्ञान से भक्ति तक,
भक्ति से मुक्ति तक–
यही राजविद्या योग है।
श्रीकृष्णार्पणमस्तु

कथा में श्रोता के रूप में इं. एस एन त्रिपाठी डॉ. श्री प्रकाश मिश्रा एसके पांडेय संतोष कुमार शुक्ल विजयलक्ष्मी शर्मा श्रीमती वंदना पांडे श्रीमती दुर्गा त्रिपाठी संदीप कुमार आदि ।

डीपीएस जनपद में प्रेप ग्रेजुएशन संग क्वेस्ट जूनियर विज्ञान उत्सव का भव्य आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। दिल्ली पब्लिक स्कूल प्रयागराज में प्रेप ग्रेजुएशन समारोह के साथ-साथ क्वेस्ट जूनियर (विज्ञान उत्सव) का आयोजन बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रेप कक्षा के विद्यार्थियों को औपचारिक स्कूली जीवन में प्रवेश के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. सरिता खंडाका (विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग, सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय) तथा प्रो. अशोक कुमार पाठक (विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग, इविंग क्रिश्चियन कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) उपस्थित रहे। वहीं विद्यालय की अध्यक्षा सुश्री सोनू सिंह, प्रधानाचार्या डॉ. सुजाता सिंह, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं अभिभावकगण भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। इस अवसर का मुख्य उद्देश्य नन्हे विद्यार्थियों की प्रतिभा और उपलब्धियों को मंच प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन करना रहा।

मुख्य अतिथियों ने बाल वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने की विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए इसे अत्यंत सराहनीय बताया। प्रधानाचार्या डॉ. सुजाता सिंह ने अभिभावकों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए 'कक्षा से परे सीखने' एवं 'अनुभवात्मक शिक्षा' पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि क्वेस्ट जूनियर बच्चों की जिज्ञासा को विकसित कर उन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भविष्य का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर क्वेस्ट जूनियर 2026 जूनियर स्कूल विज्ञान उत्सव का भी विधिवत उद्घाटन किया गया। इसका उद्देश्य बच्चों में टीमवर्क, आलोचनात्मक सोच एवं आत्मविश्वास जैसे गुणों का विकास करना था।

विद्यालय परिसर में विभिन्न इंटरैक्टिव जोन आकर्षण का केंद्र रहे। इनमें 'द एक्सपेरिमेंटेरियम', 'नेचुरेक्स', 'हाइड्रो हब' तथा 'इनोवेटर शोकेस' प्रमुख रहे, जहाँ छात्रों ने अपने नवाचार और प्रयोगों का प्रदर्शन किया। इसके अलावा 'टाइनी स्टार्स परेड' और 'न्यूट्रिशन स्टेशन' ने भी सभी का ध्यान आकर्षित किया।

सीआरपीएफ मोंटेसरी स्कूल का वार्षिकोत्सव समारोह संपन्न

बच्चे किताबों से कम, उदाहरणों से अधिक सीखते हैं : डीआईजी धीरज कुमार

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र स्थित मेंस क्लब में रविवार को मोंटेसरी स्कूल का वार्षिकोत्सव समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीआईजी धीरज कुमार ने कहा कि बच्चे किताबों से कम और अपने आसपास के उदाहरणों से अधिक सीखते हैं। बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में घर और विद्यालय दोनों की समान भूमिका होती है।समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीआईजी धीरज कुमार ने पत्नी श्वेता के साथ संयुक्त रूप से भगवान गणेश की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन करके किया। इसके बाद नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि डीआईजी धीरज कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि घर बच्चे का पहला विद्यालय होता है, जहां उसके संस्कार, व्यवहार और सोच की नींव पड़ती है। स्कूल अच्छी आदतों की शुरुआत करता है, लेकिन उन्हें स्थायी बनाने का दायित्व अभिभावकों का होता है। उन्होंने कहा कि यदि स्कूल अनुशासन सिखाए और घर में ढील दी जाए, तो बच्चा सहज रूप से सुविधा का रास्ता चुनता है।

उन्होंने कहा कि 'स्कूल बीज बोता है और उसे सींचने का काम घर करता है।'डीआईजी धीरज कुमार ने कहा कि बच्चों का व्यवहार सिखाया नहीं जाता, बल्कि अपनाया जाता है। बच्चे सुनकर नहीं, देखकर सीखते हैं। यदि अभिभावक शिष्टाचार, पढ़ने की आदत और समय की पाबंदी बच्चों में देखना चाहते हैं, तो उन्हें स्वयं इसका पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि घर में शिक्षकों के प्रति कही गई बातें बच्चों के कक्षा व्यवहार को सीधे प्रभावित करती हैं। शिक्षक के प्रति सम्मान बनाए रखना बेहद जरूरी है।

उन्होंने भावनात्मक सुरक्षा को बच्चों के आत्मविश्वास की नींव बताते हुए कहा कि धैर्य और प्रेम से समझाया गया बच्चा संयम सीखता है, जबकि गुस्से से समझाया गया बच्चा डर या विद्रोह की ओर बढ़ता है। मोंटेसरी शिक्षा पद्धति स्वतंत्रता और प्रयास को महत्व देती है, इसलिए बच्चों को गलती करने और उससे सीखने का अवसर मिलना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान शैक्षिक व खेलकूद गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया।

श्री श्री 108 काल भैरव, बउचरा माता प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ

सनातन धर्म से लोगों को जोडना है उददेश्य : स्वामी राजेश्वरी नंद गिरि

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा झारखंड की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी माता राजेश्वरी नंद गिरि (रोज मौसी) ने आज कहा कि किन्नर अखाड़ा सनातन धर्म से अधिक से अधिक लोगों को जोडते हुए आगे बढ रहा है क्योंकि किन्नर अखाड़ा के गठन के बाद से बडी संख्या में लोग तेजी से सनातन धर्म से जुडकर मजबूत कर रहे है।उन्होंने कहा कि इसका सारा श्रेय किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) श्री श्री 1008 किन्नर पीठाधीश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज को है जिन्होंने देश, विदेश के लाखों लोगों को सनातन धर्म से जोडकर नया इतिहास बना दिया।

स्वामी माता राजेश्वरी नंद गिरि (रोज मौसी) ने आज बताया कि तीन दिवसीय श्री श्री 108 काल भैरव और बउचरा माता के मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ कार्यक्रम सात मार्च से शुरू होकर नौ मार्च तक श्री मंगलमुखी धाम, बंधा पोखर के सामने, देवघर में चलेगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि किन्नर अखाडा की आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) श्री श्री 1008 किन्नर पीठाधीश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज है। महामण्डलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी माता राजेश्वरी नंद गिरि ने बताया कि पहले दिन सात मार्च को भव्य कलश यात्रा सुबह नौ बजे निकलेगी, दूसरे दिन आठ मार्च को वेदी पूजन, आधिवास और नौ मार्च को पूर्णाहुति, संत सम्मेलन और महा प्रसाद का वितरण होगा जिसमें बडी संख्या में किन्नर संत और क्षेत्रीय लोग शामिल होगे।

शिव साधना के साथ जारी रहेगा अन्न दान

सीएम संतों, सनातन धर्मावलंबियों की आशा, पीएम बनने की योग्यता : प्रभु जी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, सीतापुर, अयोध्या के विवि, मेडिकल कालेज के छात्रों को पांच वर्ष से मिल रहा निःशुल्क खाना प्रयागराज। ओम नमः शिवाय संस्थान के संस्थापक प्रभु जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन धर्म के सच्चे रक्षक और संरक्षक है। उन्होंने कहा कि पीएम और सीएम ने संतों और सनातन धर्मावलंबियों की आशा के अनुरूप काम किया है। घृणित मानसिकता वाला व्यक्ति ही इनकी कार्यप्रणाली पर अनर्गल प्रश्नचिह्न लगा सकता है। यह बातें ओम नमः शिवाय संस्थान के संस्थापक प्रभु जी ने आज कही। परेड मैदान स्थित शिविर में श्रद्धालुओं से ओम नमः शिवाय संस्थान के संस्थापक प्रभु जी ने कहा कि कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ से हमें काफी आशा है। पीएम मोदी के बाद उनके अंदर प्रधानमंत्री बनने की योग्यता है। इस मंशा की पूर्ति के लिए निरंतर

अनुष्ठान कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि माघ मेला के बाद भी शिव साधना और अन्न दान चलता रहेगा। माघ मेला शुरू होने से पहले अक्टूबर माह से कर्मचारियों व श्रमिकों के निमित्त भंडारा शुरू किया गया था। मेला के दौरान दो दर्जन स्थानों पर 24 घंटे लोगों को भोजन कराया गया। इसमें लगभग तीन करोड़ श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। उन्होने बताया कि 49 वर्ष से ओम नमः शिवाय संस्थान सेवा कार्य कर रहा है। ओम नमः शिवाय संस्थान के व्यवस्थापक शिवम सिंह ने बताया कि माघ मेला के दौरान 38 डीसीएम आलू, 15 ट्रक आटा, 25 ट्रक चावल, पांच ट्रक बेसन, 45 डीसीएम सब्जी, 50 कुंतल मसाला, पांच हजार किलो दही, 5000 लीटर दूध सहित अन्य खाद्य सामग्रियों का प्रयोग भण्डारे में किया गया। 480 ट्रैक्टर लकड़ी और गैस का प्रयोग खाना बनाने मे किया गया। परेड की लाल रोड, त्रिवेणी मार्ग, दारागंज के गल्ला मण्डी और संगम लोवर चौराहे पर भोजन बनता था, जबकि 20 बैटरी वाले रिक्शे सहित अन्य दर्जनभर गाड़ियों से मेला क्षेत्र के अलावा बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, मेला कार्यालय, पुलिस सहित अन्य विभागों के पास उसे वितरित कराया गया। प्रयागराज के अलावा अयोध्या धाम, कानपुर, लखनऊ और सीतापुर में विशाल भंडारा चल रहा है। उन्होंने बताया कि प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, सीतापुर, अयोध्या के विवि, मेडिकल कालेज के मरीज, अभिभावक और छात्रों को पांच वर्ष से निःशुल्क खाना मिल रहा है।

मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक डॉ. संतोष सिंह ने जनजातीय क्षेत्र में किया निःशुल्क चिकित्सा सेवा का कार्य

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' की भावना को साकार करते हुए गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 के तहत मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ सर्जन डॉ. संतोष सिंह ने लखीमपुर खीरी जिले के नेपाल सीमा से सटे थारू जनजातीय क्षेत्र के मसान खम्भ एवं सौनहा गांव में निःशुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान कर मानव सेवा की मिसाल पेश की।

मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय, प्रयागराज के असिस्टेंट प्रोफेसर (सर्जरी) एवं मीडिया प्रभारी डॉ. संतोष सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में 6 एवं 7 फरवरी को कुल लगभग 350 रोगियों की जांच व उपचार किया गया। मरीजों को निःशुल्क परामर्श, दवाइयां एवं आवश्यक चिकित्सकीय सहायता

उपलब्ध कराई गई।

यह सेवा अभियान श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास, सेवा भारती एवं नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

डॉ. संतोष सिंह ने बताया कि सीमावर्ती एवं जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को देखते हुए ऐसे शिविर अत्यंत आवश्यक हैं। जरूरतमंदों के चेहरे पर आई मुस्कान ही उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है।

शिविर में सामान्य रोग, पेट रोग, त्वचा रोग, महिला व बाल रोग, सर्जिकल परामर्श तथा प्राथमिक जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। गंभीर मरीजों को आगे के उपचार के लिए जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज रेफर भी किया गया।

इस सेवा कार्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गोला जिले के जिला प्रचारक श्री शिव प्रकाश जी, शिवनाथ जी, डॉ. शिवम, डॉ. अंकित, डॉ. ओम, डॉ. सत्यम, नर्सिंग स्टाफ प्रतिभा राणा जी एवं रामदेवी जी सहित स्थानीय ग्रामीणों का विशेष सहयोग रहा।डॉ. भूपेंद्र सिंह जी, डॉ. जय राम जी, डॉ. आदर्श जी, डॉ रवि शंकर सिंह, डॉ सुधांशु सिंह एवं अन्य व्यवस्थापक साथियों ने व्यवस्थाओं को सफल बनाया।

ग्रामीणों ने चिकित्सक दल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दुर्गम क्षेत्र में इस तरह की सेवा उनके लिए वरदान साबित हुई है।

डॉ. संतोष सिंह ने सभी सहयोगियों एवं आयोजक संस्थाओं के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा अभियानों में सक्रिय भागीदारी जारी रहेगी।

विकसित भारत 2047 में समावेशी विकास के लिए एआई का उपयोग' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) इलाहाबाद, प्रयागराज द्वारा 'विकसित भारत 2047 में समावेशी विकास के लिए एआई का उपयोग' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत एआई मिशन के अंतर्गत आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट -2026 की प्री-समिट गतिविधि के रूप में संपन्न हुआ। संगोष्ठी में एमएनएनआईटी इलाहाबाद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, सैम हिगिनबॉटम

विश्वविद्यालय, सीएमपी डिग्री कॉलेज, यूनाइटेड यूनिवर्सिटी, शंभूनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पॉलिटेक्निक कॉलेज आदि 7 से अधिक संस्थानों से लगभग 100 पंजीकृत प्रतिभागियों (शिक्षक, विद्यार्थी एवं अतिथि) ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. एम. एम. गोरे, निदेशक (प्रभारी), एमएनएनआईटी इलाहाबाद, विशिष्ट अतिथि प्रो. संजय मिश्रा (सीनियर साइंटिस्ट, इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी टेक्नोलॉजी, नॉर्वे) तथा प्रो. मयंक पांडेय, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, एमएनएनआईटी इलाहाबाद ने अपने विचार व्यक्त किए। नोडल अधिकारी प्रो. अनिल कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया। संगोष्ठी में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं शासन जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका पर विशेष रूप से चर्चा की गई, जिससे ग्रामीण-शहरी एवं सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम किया जा सके।

तकनीकी सत्रों में एचसीएलटेक, नोएडा के अनुराग पांडेय ने कंप्यूटर विज़न समाधानों की तैनाती पर व्यावहारिक जानकारी दी। प्रो. संजय मिश्रा ने डिजिटल संप्रभुता एवं आत्मनिर्भर भारत के संदर्भ में एआई की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. सरसिज त्रिपाठी ने आईओटी में एआई के उपयोग, जबकि डॉ. जूही चौहान ने स्वास्थ्य क्षेत्र में डेटा-केंद्रित एआई और उससे जुड़ी चुनौतियों पर व्याख्यान दिया।

समापन सत्र में नोडल अधिकारी प्रो. अनिल कुमार सिंह एवं समन्वयक डॉ. बी. वासु ने कहा कि एआई केवल तकनीकी नवाचार नहीं, बल्कि समावेशी एवं सतत विकास का सशक्त माध्यम है।

माँ शबरी जयंती की परमार्थ निकेतन से अनेकानेक शुभकामनायें

माँ शबरी की भक्ति की पराकाष्ठा, न वैभव, न विद्या, केवल अथाह प्रेम का सागर : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन से आज माँ शबरी जयंती के पावन अवसर पर भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित की। इस दिव्य अवसर पर पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने अपने संदेश में कहा कि अद्भुत है माँ शबरी की भक्ति की पराकाष्ठा, न वैभव, न विद्या, केवल अथाह प्रेम का सागर है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि निष्कलुष हृदय, अटूट श्रद्धा और पूर्ण समर्पण से प्रशस्त होता है। माँ शबरी, सनातन संस्कृति में भक्ति की सर्वोच्च परिभाषा है।

माँ शबरी आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध थीं। उन्होंने अपने गुरु मतंग ऋषि के वचनों को ही जीवन का लक्ष्य बना लिया। गुरु ने कहा था 'प्रभु श्रीराम तुम्हारे आश्रम अवश्य आएंगे।' बस यही विश्वास उनकी साधना बन गया। वर्षों की प्रतीक्षा उनके लिए तपस्या बनी, तितिक्षा उनकी शक्ति बनी और समर्पण उनकी आराधना बन गया। प्रत्येक दिन वे उसी प्रेम से पथ बुहारतीं, पुष्प सजातीं और आश्रम को ऐसे संवारतीं मानो आज ही प्रभु पधारेंगे। यह प्रतीक्षा साधारण प्रतीक्षा नहीं थी; यह धैर्य, विश्वास और अखंड आस्था का दिव्य उदाहरण थी। आज के युग में जहाँ क्षणिक परिणाम चाहता है, वहाँ शबरी का जीवन हमें संदेश देता है कि सच्ची भक्ति में समय का बंधन नहीं होता। भक्ति में अधीरता नहीं, धैर्य होता है; अपेक्षा नहीं, समर्पण होता है।

शास्त्रों में कहा गया है 'भक्त्या त्वनन्यया शक्य अहमेवंविधोऽर्जुन।' अर्थात् केवल अनन्य भक्ति से ही परमात्मा की प्राप्ति संभव है। माँ शबरी ने इस सत्य को अपने जीवन से सिद्ध किया। जब प्रभु श्रीराम उनके आश्रम पहुँचे, तब उन्होंने प्रेमपूर्वक जूठे बेर अर्पित किए। यह बाह्य दृष्टि से साधारण घटना प्रतीत हो सकती है, परंतु आध्यात्मिक दृष्टि से यह प्रेम की पराकाष्ठा थी। प्रभु ने उस प्रेम को स्वीकार किया, क्योंकि ईश्वर को वस्तु नहीं, भावना प्रिय होती है। माँ शबरी की कथा आज के समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। आधुनिक जीवन की दौड़, तनाव और स्पर्धा के बीच हम भक्ति की सरलता को भूलते जा रहे हैं। आज आवश्यकता है कि हम अपने जीवन में शबरी जैसी निष्ठा, धैर्य और समर्पण को स्थान दें। जब हमारा प्रत्येक कर्म सेवा बन जाए, प्रत्येक विचार प्रार्थना बन जाए और प्रत्येक श्वास राम नाम से ओतप्रोत हो जाए, तभी सच्ची आध्यात्मिक उन्नति संभव है।

भिवंडी के मानकोली स्थित हरिहर कंपाउंड की A-2 बिल्डिंग में भीषण आग, 6 से 7 गाले चपेट में, लाखों का नुकसान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी तालुका के मानकोली क्षेत्र स्थित हरिहर कंपाउंड की A-2 नामक दो मंज़िला इमारत में सोमवार दोपहर भीषण आग लगने की घटना सामने आई। आग इतनी विकराल थी कि इमारत में स्थित 6 से 7 औद्योगिक गाले इसकी चपेट में आ गए, जिससे वहां रखा सारा माल जलकर राख हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त इमारत में 'बॉम्बे ट्रॉफी' नामक कंपनी संचालित थी, जहां कपड़ों की गद्दी और पेपर रोल का निर्माण किया जाता था। वहीं, बगल के एक अन्य गाले में ताश (खेलने वाले पत्ते) बनाने का कार्य किया जा रहा था। आग की चपेट में आने से दोनों इकाइयों को भारी नुकसान हुआ है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, इस हादसे में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही भिवंडी अग्निशमन विभाग की दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब तीन से चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन आग से भारी आर्थिक क्षति हुई है। समाचार लिखे जाने तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका था। संबंधित विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

भिवंडी में 1.86 लाख की ठगी का मामला दर्ज, दो आरोपियों पर धोखाधड़ी और धमकी देने का आरोप

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शहर में ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें दो लोगों पर संगनमत कर चालक से करीब 1.86 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने और पैसे मांगने पर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। नारपोली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, हालांकि खबर लिखे जाने तक दोनों आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता रमेश गिरीशचंद्र वर्मा (38) ने नारपोली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि ठाणे निवासी ललित नीलकंठ खानविलकर (36) और अनिकेत महेंद्र महाडीक (28) ने आपस में मिलकर शिकायतकर्ता से पैसों की ठगी की। यह घटना 30 जून 2024 से 2 सितंबर 2024 के बीच कशेली स्थित भक्ति इंटरप्राइजेस, भक्ति कॉम्प्लेक्स परिसर में हुई। शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने शिकायतकर्ता के कुल 1 लाख 86 हजार 932 रुपये का गबन किया। जब शिकायतकर्ता ने पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने कथित रूप से गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी।नारपोली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 352, 351(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। यह अपराध 6 फरवरी 2026 को रात 7 बजकर 54 मिनट पर पंजीबद्ध किया गया, जबकि पुलिस को ई-मेल के माध्यम से शिकायत उसी दिन रात 9 बजकर 26 मिनट पर प्राप्त हुई। पुलिस ने ई-साक्ष्यों को भी रिकॉर्ड में शामिल किया है।मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक राहुल पाटील कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

भिवंडी मनपा महापौर चुनाव में बदला गणित

4 सीटों वाली कोर्णाक विकास आघाडी बन सकती है 'किंगमेकर'

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी महानगरपालिका के महापौर चुनाव को लेकर राजनीतिक समीकरण तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं। पूर्व महापौर विलास आर पाटिल और उनके पुत्र मयुरेश विलास पाटिल को कोर्ट से अग्रिम राहत मिलने के बाद महापौर पद की जंग और रोचक हो गई है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि महज 4 सीटों वाली कोर्णाक विकास आघाडी इस बार महापौर चुनाव में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। दरअसल, भिवंडी मनपा के 90 नगरसेवक पदों के लिए 15 जनवरी को मतदान और 16 जनवरी को मतगणना हुई थी, जिसमें किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। परिणामों में कांग्रेस 30 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि भाजपा को 22 सीटें मिलीं। शिवसेना (शिंदे गट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद गट) को 12-12 सीटें, समाजवादी पार्टी को 6, कोर्णाक विकास आघाडी को 4, भिवंडी विकास आघाडी को 3 सीटें मिलीं, जबकि एक निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहा।

भाजपा ने महापौर पद के लिए नारायण चौधरी के नाम की घोषणा की है, लेकिन पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल के भतीजे सुमित पाटिल ने भी दावेदारी पेश कर दी है। इससे भाजपा में अंदरूनी खींचतान सामने आई है और पार्टी दो खेमों में बंटी नजर आ रही है। वहीं, भिवंडी सेकुलर फ्रंट की गणित भी बदलती दिख रही है।

गौरतलब है कि चुनाव प्रचार और विजय रैली के दौरान पूर्व महापौर विलास आर पाटिल और भाजपा विधायक महेश चौघुले के समर्थकों के बीच झड़प हुई थी। इस मामले में निजामपुरा पुलिस ने विलास आर. पाटिल, मयुरेश पाटिल सहित कुल 51 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। 7 फरवरी को कोर्ट ने विलास आर पाटिल और मयुरेश पाटिल सहित कुल 26 लोगों को जमानत देते हुए राहत दी। कोर्ट से राहत मिलने के बाद विलास आर पाटिल के सक्रिय होने और भाजपा के अंदरूनी मतभेदों के चलते महापौर पद की लड़ाई दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि छोटे दलों और निर्दलीय पार्षदों का समर्थन इस बार महापौर की कुर्सी तय करेगा और कोर्णाक विकास आघाडी 'किंगमेकर' की भूमिका में आ सकती है।

गायब हुए डुब्लिकेट चाभी से घर का ताला खोलकर 8 तोला गहनों की चोरी, ताला बंदकर फरार हुआ चोर

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के गैबीनगर इलाके में एक अजीबोगरीब चोरी का मामला प्रकाश में आया है।जहां पर अज्ञात चोर ने गायब हुए डुब्लिकेट चाभी से बंद घर का ताला खोलकर घर में प्रवेश किया और आलमारी में रखे 8 तोले गहनों के साथ मोबाइल पर हाथ साफ कर पुनः ताला बंदकर फरार हो गया।चोरी के इस वारदात को चोरों ने मात्र 20 मिनट के अंदर अंजाम दिया।जिसे लेकर क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

पुलिस के अनुसार गैबीनगर के युनूस अपार्टमेंट की दूसरी मंजिल पर रहने वाले रिक्शा चालक सलीम कासिम शेख की घर की तीन चाभिया थी।पति पत्नी के अलावा एक चाभी उसके बेटे के पास रहती थी।करीब 15 दिन पहले बेटे की चाभी गायब हो गई थी।जिसे परिवालों ने मामूली समझ कर नजरअंदाज कर दिया था।पुलिस ने बताया कि सलीम अपने काम पर गए हुए थे और उनकी पत्नी शनिवार की शाम 6 बजे घर का ताला बंदकर पहली मंजिला पर किसी काम से गई हुई थी।इसी दौरान अज्ञात चोरों ने घर का बंद ताला खोलकर बेहिचक घर में घुस गया और कपाट का लॉकर तोड़कर 8 तोला सोने के गहने और एक मोबाइल पर हाथ साफ कर पुनः घर का ताला बंदकर रफूचक्कर हो गया।20 मिनट के बाद जब सलीम की पत्नी वापिस आई और बंद ताला खोलकर घर में घुसी तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गया।उसे घर में चोरी का एहसास होने पर उसने तुरंत इसकी जानकारी अपने पति और पुलिस को दी।शांतिनगर पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर पंचनामा कर अज्ञात चोरों पर केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।पुलिस को आशंका है कि गायब हुए चाभी के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया।फिलहाल पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि चोरी हुई चाभी किसके हाथ लगी और चोरी की घटना को किसने अंजाम दिया है।

114 राफेल विमानों की बड़ी डील पर अहम बैठक; मैक्रों के भारत दौरे से पहले लग सकती है मुहर

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के 18 से 20 फरवरी के भारत दौरे से पहले रक्षा क्षेत्र में एक बड़ा फैसला लिया जा सकता है। वे इस दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समिट में हिस्सा लेने भारत आ रहे हैं। इसी बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक फरवरी के दूसरे हफ्ते में होने की संभावना है।

114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद पर मुहर?

इस बैठक में सबसे अहम प्रस्ताव 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद से जुड़ा होगा। सूत्रों के मुताबिक, इस सौदे को आवश्यकता की मंजूरी दी जा सकती है। इस पूरी डील की अनुमानित लागत करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये बताई जा रही है।

कैसे होगी खरीद?

18 राफेल विमान सीधे फ्रांस से फ्लाई-अवे कंडीशन में खरीदे जाएंगे

बाकी 96 विमान भारत में बनाए जाएंगे

इनमें करीब 60इ स्वदेशी सामग्री शामिल होगी

कुल 114 में से लगभग 80इ राफेल भारत में बनाए जाएंगे

इस डील के तहत भारतीय वायुसेना को 88 सिंगल-सीटर और 26 ट्विन-सीटर राफेल विमान मिलेंगे। इस परियोजना में फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन और भारतीय निजी कंपनियों के बीच साझेदारी होगी। यह प्रस्ताव पिछले महीने रक्षा खरीद बोर्ड से पहले ही मंजूरी पा चुका है। अब डीएसी से हरी झंडी मिलने के बाद तकनीकी और व्यावसायिक बातचीत शुरू होगी। वहीं माना जा रहा है कि मैक्रों के भारत दौरे के दौरान ही इस सौदे को अंतिम रूपदिया जा सकता है।

क्यों जरूरी है यह डील?

इस समय भारतीय वायुसेना (आईएएफ)के पास सिर्फ करीब 30 फाइटर स्क्वाड्रन हैं, जबकि स्वीकृत संख्या 42 स्क्वाड्रन की है।

शिवलिंग चोरी का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

पैर में गोली लगने से घायल, कई जिलों में दे चुका वारदात को अंजाम

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बलिया जिले की नगरा पुलिस ने शिवलिंग चोरी के मामले में वांछित एक शातिर अपराधी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।बलिया उत्तरी क्षेत्र के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि पुलिस टीम ने शनिवार रात करीब पौने दस बजे थाना क्षेत्र के खरूआंव पोखरा के पास वाहनों की जांच के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रुकने का इशारा किया। उन्होंने बताया कि तभी उसने पुलिस टीम पर गोली चला दी जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई और बाएं पैर में गोली लगने से आरोपी घायल हो गया।

शुक्ला ने बताया कि घायल अवस्था में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया जिसकी पहचान गड़वार थाना क्षेत्र के नकहरा गांव निवासी रुदल नट (25) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी को नगरा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है और उसके पास से एक देसी तमंचा और कारतूस भी बरामद किए हैं।

एएसपी ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर चार और पांच जनवरी 2026 की मध्य रात सुखपुरा थाना क्षेत्र के बुढ़वा मंदिर से शिवलिंग की चोरी की थी। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इससे पहले, उसने नगरा थाना क्षेत्र के एक प्राचीन दुर्गा मंदिर का ताला तोड़कर आभूषण और दान पेटी से रुपये चोरी किए थे। उन्होंने कहा कि आरोपी ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चोरी की कई अन्य वारदातों को भी अंजाम दिया है।

बच्चों का बदलता व्यवहार दे रहा है खतरे का संकेत? ऑनलाइन गेमिंग हो सकती है बड़ी वजह, रिपोर्ट में हुआ खुलासा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के गाजियाबाद से सामने आई एक बेहद दर्दनाक घटना ने पूरे देश को सोचने पर मजबूर कर दिया है। साहिबाबाद इलाके की एक हाईराइज सोसाइटी में रहने वाली तीन नाबालिग सगी बहनों ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। शुरुआती जांच में सामने आया है कि तीनों बहनें एक टास्क आधारित ऑनलाइन कोरियन लव गेम से जुड़ी हुई थीं। यह मामला सिर्फ एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि डिजिटल युग में बच्चों की मानसिक सुरक्षा को लेकर एक गंभीर चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, भारत सिटी सोसाइटी में रहने वाली तीन बहनों की उम्र करीब 12, 14 और 16 साल थी। बताया जा रहा है कि वे लंबे समय से मोबाइल और ऑनलाइन गेमिंग में पूरी तरह डूबी हुई थीं। धीरे-धीरे उनका संपर्क बाहरी दुनिया से कम होता चला गया। न वे नियमित रूप से स्कूल जाती थीं और न ही दोस्तों या रिश्तेदारों से मिलना-जुलना रखती थीं। परिवार वालों का कहना है कि तीनों बहनों ने अपने नाम तक बदलकर कोरियन नाम रख लिए थे और कोरियन संस्कृति को फॉलो करने लगी थीं।

परिजनों के अनुसार, पिता ने जब बच्चों की बढ़ती मोबाइल गेमिंग की आदत पर आपत्ति जताई और उनके फोन छीन लिए, तो तीनों बहनें गहरे मानसिक तनाव में चली गईं। इसी मानसिक दबाव के बीच यह दुखद कदम उठाया गया। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें बच्चों ने अपने माता-पिता से माफी मांगते हुए लिखा कि वे यह गेम छोड़ नहीं पा रही थीं। इस नोट ने पूरे मामले को और भी संवेदनशील बना दिया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, कोरियन लव गेम किसी सामान्य गेम की

तरह नहीं होता। इसमें सोशल मीडिया के जरिए कोई अनजान व्यक्ति बच्चों या किशोरों से संपर्क करता है और खुद को कोरियन बताकर दोस्ती या प्यार की बातें शुरू करता है। धीरे-धीरे भरोसा जीतने के बाद यूजर को छोटे-छोटे टास्क दिए जाते हैं। शुरुआत में ये टास्क आसान होते हैं, लेकिन समय के साथ इन्हें मानसिक रूप से दबाव बनाने वाला और डर पैदा करने वाला बना दिया जाता है। अगर यूजर टास्क पूरा करने से मना करता है, तो उसे डराया-धमकाया जाता है। इस तरह के गेम कई दिनों तक चलते हैं और यूजर को पूरी तरह अपने जाल में फंसा लेते हैं।

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चों और किशोरों का दिमाग अभी पूरी तरह विकसित नहीं होता। ऐसे में वे गेम और वर्चुअल दुनिया को ही असली दुनिया समझने लगते हैं। टास्क पूरे करने का दबाव, डर और हार का भय उनके सोचने-समझने की क्षमता को कमजोर कर देता है। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक जीन एम. ट्वेंग की किताब iजाह में भी बताया गया है कि 2011 के बाद से ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया की लत के कारण युवाओं में डिप्रेशन और आत्महत्या के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर बच्चा हर समय मोबाइल या गेम के बारे में ही सोचता रहे, गेम रोकने पर गुस्सा या चिड़चिड़ापन दिखाए, परिवार और दोस्तों से दूरी बनाने लगे, नींद और दिनचर्या बिगड़ जाए या पढ़ाई में रुचि खत्म हो जाए, तो ये खतरे के संकेत हो सकते हैं। लगातार उदासी, डर या खालीपन महसूस करना भी गंभीर चेतावनी मानी जाती है। अगर ऐसे कई लक्षण एक साथ लंबे समय तक नजर आएं, तो तुरंत सतर्क होने की जरूरत है।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि बच्चों को मोबाइल देना पूरी तरह गलत नहीं है, लेकिन उस पर निगरानी बेहद जरूरी है। माता-पिता को बच्चों से खुलकर बातचीत करनी चाहिए और उनके ऑनलाइन व्यवहार को समझने की कोशिश करनी चाहिए। स्क्रीन टाइम पर नजर रखना और स्मार्टफोन में पेरेंटल कंट्रोल का इस्तेमाल करना भी जरूरी है। पेरेंटल कंट्रोल के जरिए बच्चों के गेम, ऐप्स और ऑनलाइन कंटेंट को सीमित किया जा सकता है, ताकि वे खतरनाक गेम्स और मानसिक दबाव पैदा करने वाले चैलेंज से दूर रह सकें।

दरोगा के होटल में देह व्यापार रैकेट; शादीशुदा महिलाएं करती थी जिस्मफरोशी का गंदा काम

आपत्तिजनक में पकडे गए 7 लोग, ग्राहक देखकर होती थी वसूली

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बरेली के भोजीपुरा थाना क्षेत्र में बड़ा बाइपास पर स्थित 'अपना ढाबा' में देह व्यापार का मामला सामने आया है। सीओ हाईवे ने पुलिस टीम के साथ छापा मारकर इस अवैध धंधे का खुलासा किया। मौके से ढाबा मैनेजर समेत चार युवक और तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। ढाबा संचालक फरार हो गया।

जानकारी के मुताबिक, सीओ हाईवे शिवम आशुतोष को काफी दिनों से ढाबे में गलत काम होने की सूचना मिल रही थी। शुक्रवार रात उन्होंने इंस्पेक्टर भोजीपुरा राजीव कुमार सिंह और पुलिस टीम के साथ ढाबे पर छापा मारा। पुलिस ने ढाबे के कमरों की तलाशी ली, जहां तीन महिलाएं और तीन युवक आपत्तिजनक हालत में मिले। सभी को पकड़कर थाने लाया गया।

पुलिस ने मौके से ढाबा मैनेजर कुंवरपाल यादव को भी गिरफ्तार किया है, जो रामपुर जिले के शहजादनगर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। बताया गया कि यह ढाबा एक दरोगा का है, जिसे गजेंद्र सिंह ने किराये पर ले रखा था। छापे के दौरान गजेंद्र सिंह फरार हो गया। पुलिस को ढाबे से एक स्कूटी, एक मोटरसाइकिल, सात मोबाइल फोन, 2200 रुपये नकद और कुछ आपत्तिजनक सामान भी मिला है। सीओ हाईवे की ओर से सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया गया है। पूछताछ में तीनों महिलाओं ने बताया कि उन्हें कुंवरपाल और गजेंद्र बुलाते थे। ग्राहक से 500 से 2000 रुपये तक लिए जाते थे। जो ग्राहक कुंवरपाल के जरिए आते थे, उनमें से वह अपना कमीशन काट लेता था।

रहस्यमय ढंग से लापता हो गए दरोगा

निजी मोबाइल फोन और सीयूजी नंबर बंद 24 घंटे से तलाश कर रही पुलिस की टीमें

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बस्ती जिले में एक उपनिरीक्षक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि परसरामपुर थाने में तैनात अजय गौड़ की पत्नी की तहरीर पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है। पुलिस के अनुसार, उपनिरीक्षक गौड़ ने पांच फरवरी की शाम को आखरी बार अपनी पत्नी से बात की और रात में जब पत्नी ने उन्हें कॉल किया तो उनका फोन बंद आया। पुलिस ने बताया कि पत्नी ने कई बार प्रयास किया लेकिन गौड़ से संपर्क नहीं हो सका। पुलिस के मुताबिक, शिकायत मिलने के बाद गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर पुलिसकर्मी की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने बताया कि काफी खोजबीन के बाद गौड़ की मोटरसाइकिल सदर कोतवाली के अमहट नदी के घाट पर बनी चौकी के पास से मिली। पुलिस के मुताबिक, नदी में गोताखोरों को उतार कर तलाश की गई लेकिन अब तक कुछ पता नहीं चल सका है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) श्याम कांत ने बताया कि उपनिरीक्षक अजय गौड़ के लापता होने की सूचना पर परिवार से संपर्क किया गया और मिली शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस की कई टीम गठित की गई हैं। गौड़ की पत्नी ने पुलिस को बताया कि दुबौलिया थाना में तैनाती के दौरान उनके पति को धमकी मिली थी।

200 से ज्यादा प्रेमी जोड़ों के आपत्तिजनक वीडियो

रेस्टोरेंट के केबिन में आते थे कपल कर्मचारी बना लेता था निजी पल का वीडियो

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बिजनौर के सेंटर प्वाइंट रेस्टोरेंट में आने वाले प्रेमी जोड़ों को क्या पता था कि उनकी निजी पलों पर किसी की नजर लगी हुई है। रेस्टोरेंट में कपल्स को प्राइवेसी देने के नाम पर केबिन दिए जाते थे, लेकिन पर्दे के पीछे एक गंभीर अपराध चल रहा था।

जानकारी के मुताबिक, रेस्टोरेंट के अंदर सीढ़ियों के पास एक छोटा कमरा बनाया गया था। इसमें सोफा रखकर इसे प्राइवेट केबिन जैसा बनाया गया था। आरोप है कि रेस्टोरेंट का एक कर्मचारी, सतेंद्र, इसी केबिन के बाहर लगे बैनर में छोटा सा छेद करके मोबाइल से कपल्स की निजी हरकतों की वीडियो रिकॉर्ड करता था। यह काम काफी समय से चल रहा था, लेकिन 4 फरवरी को इसका खुलासा हो गया। उस दिन केबिन में मौजूद एक कपल को कर्मचारी की हरकतों पर शक हुआ। उन्होंने तुरंत अपने एक दोस्त को बुलाया और कर्मचारी का मोबाइल चेक किया। मोबाइल में 200 से ज्यादा अलग-अलग जोड़ों के आपत्तिजनक वीडियो मिले। हंगामा बढ़ता देख आरोपी कर्मचारी मोबाइल लेकर मौके से फरार हो गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही सिविल लाइन चौकी प्रभारी कुलबीर सिंह और सीओ सिटी संग्राम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने रेस्टोरेंट को बंद करवा दिया और वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर जब्त कर ली है। इस रेस्टोरेंट को एक महिला वकील संचालित करती हैं। उन्होंने कहा कि वह दिनभर कोर्ट में रहती हैं और उन्हें कर्मचारियों की इन गतिविधियों की कोई जानकारी नहीं थी। फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

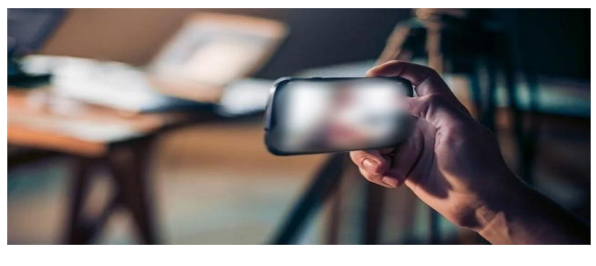

भारत-पाकिस्तान मैच पर नई जानकारी आई सामने, सूत्र ने बताया कितने प्रतिशत है संभावना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का बहुप्रतीक्षित भारत-पाकिस्तान मुकाबला 15 फरवरी को होने की लगभग पक्की संभावना है जिसके लिए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए बैठकें चल रही हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सूत्रों ने आईएएनएस को चल रही बैठक के बारे में पुष्टि की और मैच कोलंबो में होने की बहुत अधिक संभावना है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों ने ध्एि को बताया, 'बैठकें चल रही हैं, और 15 फरवरी को भारत-पाकिस्तान मैच होने की 99इ संभावना है।'

इससे पहले पीसीबी ने कहा था कि वे 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले अपने निर्धारित पुरुष टी20 वर्ल्ड कप मैच में भारत के खिलाफ नहीं खेलेंगे क्योंकि उनकी सरकार ने बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाते हुए भारत के खिलाफ मैच न खेलने की शर्त पर 'मेन इन ग्रीन' की वर्ल्ड कप में भागीदारी को मंजूरी दी थी। पाकिस्तान की घोषणा के जवाब में आईसीसी ने एक कड़ा बयान जारी किया, जिसमें पीसीबी से आपसी सहमति से समाधान खोजने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि चुनिंदा भागीदारी वैश्विक प्रतिस्पर्धा के सिद्धांतों को कमजोर करती है।

आईसीसी ने कहा, 'हालांकि आईसीसी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से आधिकारिक संचार का इंतजार कर रहा है, लेकिन चुनिंदा भागीदारी की यह स्थिति एक वैश्विक खेल आयोजन के मूल आधार से मेल खाना मुश्किल है, जहां सभी योग्य टीमों से इवेंट शेड्यूल के अनुसार समान शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करने की उम्मीद की जाती है।' इसमें आगे कहा गया, ' आईसीसी को उम्मीद है कि पीसीबी अपने देश में क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक प्रभावों पर विचार करेगा क्योंकि इससे वैश्विक क्रिकेट इकोसिस्टम पर असर पड़ने की संभावना है, जिसका वह खुद एक सदस्य और लाभार्थी है।'

पाकिस्तान ने अपने टी20 वर्ल्ड कप 2026 अभियान की शुरुआत तनावपूर्ण तरीके से की, क्योंकि उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ मुश्किल से 3 विकेट से जीत हासिल की और टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में यहां सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में जीत दर्ज की। भारत के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शानदार नाबाद 84 रन बनाए और अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने आखिरी मिनट में रिप्लेसमेंट के तौर पर आकर 3-29 विकेट लिए जिससे भारत ने यूएसए पर 29 रन की सम्मानजनक जीत हासिल करके खुद को शर्मिंदगी से बचाया। पाकिस्तान ग्रुप ए में भारत, नामीबिया, नीदरलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) के साथ है। पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका में होने हैं जो भारत के साथ मिलकर टूर्नामेंट की सह-मेजबानी कर रहा है।

ग्लेन फिलिप्स ने रचा इतिहास, मैकुलम को पछाड़कर बने तीसरे सबसे सफल टी20 आई बल्लेबाज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। न्यूजीलैंड के विस्फोटक बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स ने आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई अहम पारी के दौरान एक बड़ा व्यक्तिगत मुकाम हासिल कर लिया। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में फिलिप्स ने न सिर्फ टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई, बल्कि पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़ते हुए न्यूजीलैंड के लिए टी20 इंटरनेशनल में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए।

29 वर्षीय ग्लेन फिलिप्स ने अफगानिस्तान के खिलाफ 42 रनों की तेज़तर्रार पारी खेलते हुए अपने टी20 आई करियर के कुल रन 2147 तक पहुंचा दिए। इसके साथ ही उन्होंने ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़ दिया, जो लंबे समय तक इस सूची में तीसरे स्थान पर बने हुए थे। फिलिप्स ने अब तक 89 ऊ20घ मैचों में 31.57 की औसत और लगभग 142 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, जो उनकी निरंतरता और आक्रामक शैली को दर्शाता है।

न्यूज़ीलैंड की ओर से टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अभी भी मार्टिन गुप्टिल के नाम है, जिन्होंने 3531 रन बनाए हैं। दूसरे स्थान पर पूर्व कप्तान केन विलियमसन हैं, जिनके नाम 2575 रन दर्ज हैं। अब ग्लेन फिलिप्स 2147 रनों के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच चुके हैं और मौजूदा फॉर्म को देखते हुए वह आने वाले समय में और ऊपर जा सकते हैं।

इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान द्वारा दिए गए 183 रनों के लक्ष्य को पांच विकेट शेष रहते हासिल किया। यह टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में न्यूजीलैंड का सबसे बड़ा सफल रन चेज़ भी रहा। फिलिप्स की पारी इस जीत की रीढ़ साबित हुई, जिसमें उन्होंने सात चौके और एक छक्का लगाया और रन चेज को नियंत्रण में रखा।

मैच के बाद न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर ने कहा कि टीम को पता था कि अफगानिस्तान एक मजबूत और खतरनाक प्रतिद्वंद्वी है। उन्होंने परिस्थितियों को सही तरीके से पढ़ने और हालात के अनुसार खुद को ढालने के लिए खिलाड़ियों की सराहना की। सेंटनर के अनुसार, अलग-अलग समय और पिचों पर खेलने के कारण परिस्थितियों का आकलन करना पूरे टूर्नामेंट में अहम भूमिका निभाएगा।

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने हार के बाद स्वीकार किया कि उनकी टीम ने गेंदबाजी में कुछ गलतियां कीं। उन्होंने कहा कि 182 रन का स्कोर अच्छा था, लेकिन बीच के ओवरों में सही एरिया में गेंदबाजी नहीं हो सकी, जिसका फायदा न्यूज़ीलैंड के बल्लेबाज़ों ने उठाया। राशिद ने भरोसा जताया कि टीम इन गलतियों से सीखेगी और अगले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेगी।

'प्रधानमंत्री ने कहा था मैं देश नहीं झुकने दूंगा'

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बोले कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि वह देश को झुकने नहीं देंगे और किसानों के हितों को कोई नुकसान नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि इस व्यापार समझौते में इन दोनों बातों का ध्यान रखा गया है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को भोपाल में कहा कि अगर हम कृषि और कृषि उत्पादों को देखें, तो भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचाने वाला कोई भी उत्पाद शामिल नहीं किया गया है। ऐसे सभी उत्पादों को व्यापार समझौते से बाहर रखा गया है। सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूं, चीनी, अनाज, पोल्ट्री, डेयरी, केले, स्ट्रॉबेरी, चेरी, खट्टे फल, हरी मटर, काबुली चना, मूंग, तिलहन, इथेनॉल, तंबाकू जैसे उत्पादों पर कोई टैरिफ में छूट नहीं दी गई है।

उन्होंने कहा कि हमारी मुख्य फसलों, फलों और डेयरी उत्पादन के लिए अमेरिका के लिए कोई द्वार नहीं खोला गया है। भारत में कोई भी लिक्विड, पाउडर, क्रीम, दही, छाछ, मक्खन, घी, बटर ऑयल, पनीर या चीज़ आयात नहीं किया जाएगा। हमारे मसाले सुरक्षित हैं। भारत से कई कृषि उत्पाद अमेरिका को ज़ीरो ड्यूटी पर निर्यात किए जाएंगे। लेकिन अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाज़ार में यह छूट नहीं दी गई है।

यह भी पढ़ें- 'पत्रकारों को सदी की सबसे फ्लॉप प्रेस कॉन्फ्रेंस झेलनी पड़ी', सीएम हिमंता के आरोपों पर बोले गौरव गोगोई

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अमेरिका ने कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ 50इ से घटाकर 0इ कर दिया है। हमारे मसालों के निर्यात में 88इ वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि हमने दुनिया भर के 200 देशों में मसाले और मसालों के प्रोडक्ट एक्सपोर्ट किए हैं। हमारे किसानों को पूरी तरह से टैरिफ में छूट मिली है। टेक्सटाइल में, हमारा टैरिफ हमारे प्रतिद्वंद्वी देशों की तुलना में काफी कम है, जो 18इ है। इस समझौते से सेल्फ-हेल्प ग्रुप की महिलाओं का जीवन भी बेहतर होगा।

भारत बनाम अमेरिका : कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार की ऐतिहासिक पारी, एलीट लिस्ट में आजम को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अमेरिका के खिलाफ खेले गए मुकाबले को सूर्यकुमार यादव लंबे समय तक याद रखेंगे और भारत भी। कप्तान के रूप में अपने पहले टी20 वर्ल्ड कप मैच में सूर्या ने नाबाद 84 रन की बेजोड़ पारी खेलकर भारत को बड़े संकट से उबारा। टीम जहां 77/6 पर लड़खड़ा रही थी, वहीं सूर्या ने अकेले दम पर पारी संभाली और भारत को 161/9 तक पहुंचाया। 49 गेंदों की इस पारी में सूर्या ने 10 चौके और 4 छक्के जड़े और दबाव में असाधारण संयम व आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाया।

अमेरिका के गेंदबाजों ने भारत के शीर्ष क्रम को पूरी तरह बांध कर रखा। पारी की पहली चार गेंदों पर भारत खाता भी नहीं खोल सका यहीं से मुश्किलें शुरू हो गईं।

अभिषेक शर्मा पहली ही गेंद पर आउट, ईशान किशन (20) अच्छी शुरुआत के बाद चूके, तिलक वर्मा (25) ने कुछ आक्रामक शॉट लगाए, लेकिन टिक नहीं सके, शिवम दुबे (0), रिंकू सिंह (6), हार्दिक पांड्या (5) सस्ते में लौटे, अक्षर पटेल (14) अंत में तेजी लाने के प्रयास में आउट हुए; ळ्ँ के लिए शैडली वैन स्कात्कवाइक ने 4/25 का शानदार स्पेल डाला, जबकि गेंदबाजी और फील्ड प्लेसमेंट में कप्तान मोनांक पटेल की रणनीति भी असरदार रही।

जब जिम्मेदारी पूरी तरह सूर्या पर आ गई, तो उन्होंने स्ट्राइक अपने पास रखी और अंतिम दो ओवरों में 34 रन बटोर लिए।आखिरी ओवर में 21 रन निकालकर उन्होंने भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया–जो बाद में मैच जिताऊ साबित हुआ।

भारत-पाक मैच विवाद में नया मोड़, आईसीसी की इमरजेंसी बैठक से पहले लाहौर पहुंचे बीसीबी चीफ

लाहौर **(एजेंसी)**। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर बढ़ते विवाद के बीच बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल लाहौर पहुंच गए हैं। यहां वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नक़्वी से मुलाकात करेंगे। यह दौरा ऐसे समय पर हुआ है जब आईसीसी पाकिस्तान के भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर आपात बैठक करने जा रही है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, भारत बनाम पाकिस्तान का हाई-वोल्टेज मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है, लेकिन पाकिस्तान ने इस मैच को खेलने से इनकार कर दिया है।

स्पोर्ट्स तक की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को एक ईमेल भेजकर भारत के खिलाफ मुकाबले में 'फोर्स मेज्योर' क्लॉज लागू करने की मांग की थी। हालांकि, आईसीसी ने पीसीबी से यह स्पष्ट करने को कहा है कि आखिर किन परिस्थितियों में इस प्रावधान का इस्तेमाल किया जा सकता है। आईसीसी की सख्त चेतावनी के बाद अब पीसीबी ने संवाद का रास्ता अपनाया है और विवाद सुलझाने के लिए बातचीत पर सहमति जताई है।

पीसीबी का कहना है कि वह बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के समर्थन में यह कदम उठा रहा है। बांग्लादेश को अपने मुकाबले भारत से बाहर कराने की अनुमति नहीं मिली थी, जिसके बाद वह टूर्नामेंट से हट गया और उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया। इसी मुद्दे पर पाकिस्तान ने विरोध जताते हुए भारत के खिलाफ मुकाबले का बहिष्कार करने का फैसला किया। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने अपने अभियान की शुरुआत 7 फरवरी को अमेरिका के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में की। इसके बाद टीम इंडिया का अगला मुकाबला 12 फरवरी को नामीबिया से होगा। ग्रुप ए में भारत के साथ पाकिस्तान और नीदरलैंड्स भी शामिल हैं।

सरकारी खरीद होगी और आसान

जीईएम पोर्टल का मेगा अपग्रेड 10 गुना ज्यादा लोड संभालेगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सार्वजनिक खरीद मंच गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) डेटा के बढ़ते बोझ को संभालने और इस साल भविष्य की जरूरतों के अनुरूप एक नया मंच तैयार करने के लिए अपने पोर्टल को बेहतर बना रहा है। जीईएम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मिहिर कुमार ने पीटीआई- को बताया कि पोर्टल के नौ साल पूरे होने के साथ ही जीईएम खुद को दोबारा तैयार कर रहा है।

यह खरीदार और विक्रेता के बीच सुगम संपर्क के लिए काम करेगा। कुमार ने कहा, हम इस पर चर्चा कर रहे हैं कि जीईएम पोर्टल पर खरीद-बिक्री को और आसान कैसे बनाया जाए। हम इसका विस्तार इस तरह कर रहे हैं कि यह वर्तमान क्षमता से 5-10 गुना अधिक डेटा लोड को संभाल सके। हम चालू वर्ष में भविष्य की जरूरतों के अनुरूप मंच पेश करेंगे। सरकारी मंत्रालयों और विभागों द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद के लिए नौ अगस्त, 2016 को जीईएम पोर्टल पेश किया गया था। शुरुआत से अब तक इसके माध्यम से 17.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी खरीद हो चुकी है।

घरेलू शराब निर्माताओं ने सरकार से मांगा लेवल प्लेइंग फील्ड, सीआईएबीसी ने जताई चिंता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। घरेलू शराब विनिर्माताओं के संगठन (सीआईएबीसी) ने शनिवार को कहा कि वह उम्मीद करता है कि शराब और पेय पदार्थों पर शुल्क भारत द्वारा हाल ही में ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के अनुरूप ही रखे जाएंगे। भारत और अमेरिका द्वारा अंतरिम व्यापार समझौते के लिए तय किए गए ढांचे के अनुसार, वाइन और स्पिरिट से लेकर सूखे मेवों तक के अमेरिकी उत्पाद अब भारत में या तो शुल्क मुक्त या कम आयात शुल्क पर प्रवेश करेंगे।

भारतीय सरकार से आयात के मुकाबले समान और निष्पक्ष अवसर सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए, कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज ने कहा कि उसे उम्मीद है कि यह सौदा दोनों देशों के लिए न्यायसंगत और पारस्परिक रूप से लाभकारी होगा। भारत में निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले इस संगठन ने कहा कि वह आयात शुल्क में कटौती के खिलाफ नहीं है, लेकिन चाहता है कि यह चरणबद्ध तरीके से की जाए। सीआईएबीसी के महानिदेशक अनंत एस अय्यर ने कहा, हमें उम्मीद है कि सरकार गैर-शुल्क बाधाओं को हटाने से संबंधित हमारे द्वारा उठाए गए मुद्दों का समाधान करेगी और आयात के मुकाबले घरेलू उद्योग को समान अवसर प्रदान करेगी।

संगठन का कहना है कि विकसित देशों के निर्माताओं की तुलना में भारतीय उद्योग पहले से ही उच्च पूंजी, परिचालन लागत और प्रतिबंधात्मक लाइसेंसिंग व्यवस्था के कारण नुकसान की स्थिति में है। सीआईएबीसी ने राज्य सरकारों से यह भी अनुरोध किया है कि वे आयातित शराब को दी गई सभी उत्पाद शुल्क रियायतें वापस लें। संगठन ने चेतावनी दी कि सीमा शुल्क में कटौती के साथ-साथ एक्साइज रियायतें जारी रहना भारतीय विनिर्माताओं के लिए दोहरी मार जैसा होगा। कुछ राज्यों में सीधे विदेशों से बोतलबंद होकर आने वाली (बीआईओ) शराब पर कर ढांचा अधिक अनुकूल है, जिससे स्वदेशी उद्योग पिछड़ रहा है। संगठन ने आयातित शराब को लागत से कम कीमत पर भारतीय बाज़ार में खपाने (डंपिंग) को रोकने के लिए कड़े उपायों की मांग की। साथ ही, उन्होंने भारतीय उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेहतर पहुंच की वकालत की। भारतीय उत्पादों को वर्तमान में ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में कई तरह के गैर-शुल्क प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है। भारत और अमेरिका ने शनिवार को अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा की है, जिसके तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को वर्तमान 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा, जबकि भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और वाइन-स्पिरिट सहित कृषि उत्पादों पर शुल्क कम या खत्म करेगा।

भारतीय हीरा उद्योग के लिए टर्निंग पॉइंट अमेरिकी बाज़ार में अब मिलेगी कर मुक्त एंट्री

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय रत्न एवं आभूषण उद्योग ने शनिवार को अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में हीरे और रंगीन रत्नों के लिए शुल्क मुक्त प्रवेश की घोषणा का स्वागत किया है। उद्योग का कहना है कि यह एक टर्निंग पॉइंट है जिससे इस क्षेत्र को नयी मजबूती मिलेगी। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के अध्यक्ष किरीट भंसाली ने एक बयान में कहा, हम हीरे और रंगीन रत्नों के लिए शुल्क मुक्त पहुंच की घोषणा से बेहद उत्साहित हैं।

पिछला साल हमारे लिए काफी मुश्किल रहा है, जिसमें हमारे सबसे बड़े बाजार (अमेरिका) को होने वाले कटे और पॉलिश किए गए हीरों का निर्यात 60 प्रतिशत से अधिक गिर गया था। भारत और अमेरिका ने शनिवार को एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति बनने की घोषणा की है, जिसके तहत दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेंगे। इस ढांचे के तहत जेनरिक दवाओं, रत्नों, हीरों और विमान के पुर्जों सहित कई वस्तुओं पर शुल्क घटकर शून्य हो जाएगा। इससे भारतीय उत्पादों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा।

भंसाली ने बताया कि इस समझौते के तहत आभूषणोंपर शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे तत्काल राहत मिली है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पूर्ण समझौता होने के बाद हीरे और रंगीन रत्नों पर शुल्क पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि परिषद ने लैब में तैयार हीरों (एलजीडी) और कृत्रिम रत्नों को भी अमेरिकी शुल्क छूट की सूची में शामिल करने का मुद्दा सरकार के सामने उठाया है। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने कहा कि शुल्क शून्य होने से भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अभूतपूर्व पहुंच मिलेगी।

'अब यहाँ घुटन महसूस होती है', क्रिस्टन स्टीवर्ट ने अमेरिका छोड़ने का बनाया मन, ट्रंप प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री और ऑस्कर नॉमिनेटेड स्टार क्रिस्टन स्टीवर्ट ने अपने हालिया बयान से पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। 'ट्विलाइट' फेम अभिनेत्री ने खुलासा किया है कि वे संयुक्त राज्य अमेरिका छोड़ने पर गंभीरता से विचार कर रही हैं। स्टीवर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान देश का राजनीतिक माहौल इतना अस्थिर हो गया है कि उनके लिए वहां स्वतंत्र रूप से काम करना नामुमकिन होता जा रहा है।

द टाइम्स ऑफ़ लंदन से बात करते हुए, ऑस्कर-नॉमिनेटेड स्टार ने माना कि वह अब अपने देश में सहज या क्रिएटिव रूप से सुरक्षित महसूस नहीं करती हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह खुद को अमेरिका में रहते हुए देखती हैं, तो स्टीवर्ट ने सीधे जवाब दियाः 'शायद नहीं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं वहां आज़ादी से काम नहीं कर सकती, ' यह इशारा करते हुए कि उनकी निराशा राजनीति से आगे बढ़कर उनके प्रोफेशनल जीवन तक पहुंच गई है।

स्टीवर्ट के लिए, यह मुद्दा सिर्फ वैचारिक असहमति का नहीं है - यह रोज़मर्रा की हकीकत के बारे में है। उन्होंने समझाया कि ट्रंप के दौर ने एक ऐसा माहौल बनाया है जो पाबंदी वाला और परेशान करने वाला लगता है, खासकर कलाकारों के लिए। उन्होंने कहा, 'ट्रंप के तहत हकीकत पूरी तरह से टूट रही है, ' यह सुझाव देते हुए कि माहौल क्रिएटिव आज़ादी के लिए तेज़ी से प्रतिकूल हो गया है।

स्पेंसर एक्ट्रेस ने यह साफ कर दिया कि उनकी चिंताएं सिर्फ बेचैनी से कहीं ज़्यादा हैं, यह इशारा करते हुए कि सांस्कृतिक बदलाव सीधे तौर पर अपनी शर्तों पर फिल्में बनाने की उनकी क्षमता को प्रभावित कर रहा है।

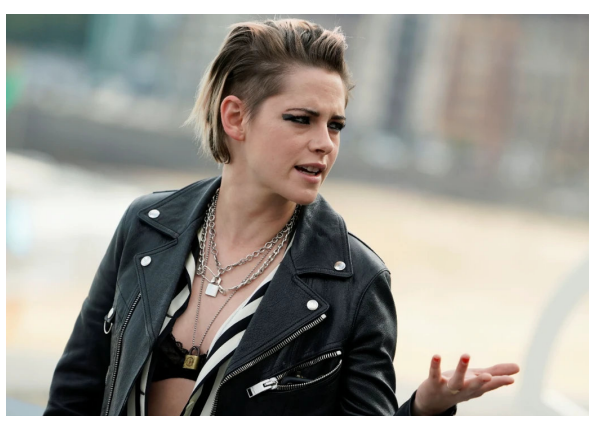

यूरोप स्टीवर्ट के रडार पर मज़बूती से दिख रहा है। उन्होंने ऐसी जगहों पर बसने की इच्छा के बारे में बात की जहां फिल्म निर्माण ज़्यादा खुला और सहयोगी लगता है, यह कहते हुए कि वह 'वह हकीकत बनाना चाहती हैं जिसमें हम रहना चाहते हैं'। एक्ट्रेस लंबे समय से इंडिपेंडेंट सिनेमा और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स की ओर आकर्षित रही हैं, इसलिए यूरोप जाना एक स्वाभाविक अगला कदम होगा।

उन्होंने कहा कि उनकी योजना विदेशों में फिल्में बनाने और फिर उन्हें अमेरिकी दर्शकों के लिए वापस लाने की होगी - भले ही इसमें थोड़ी बगावत की भावना हो। स्टीवर्ट ने आगे कहा कि वह 'उन्हें अमेरिकी लोगों के गले में उतारना चाहती हैं', अपनी आवाज़ को सुनाने के अपने दृढ़ संकल्प को रेखांकित करते हुए।

ग्लैमर की दुनिया का काला सच : ड्रग्स के साथ पकड़ी गईं तमिल-मलयालम अभिनेत्री अंजू कृष्णा, 8 लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारतीय फिल्म जगत से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। चेन्नई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स इंटेलिजेंस यूनिट ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए तमिल और मलयालम फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री अंजू कृष्णा को ड्रग्स रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस छापेमारी में अंजू के साथ एक सहायक निर्देशक सहित कुल आठ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, तमिल और मलयालम एक्ट्रेस अंजू कृष्णा को चेन्नई में ड्रग्स रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। कम से कम आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें अंजू कृष्णा और एक असिस्टेंट डायरेक्टर विंसी निवेथा शामिल हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह गिरफ्तारी गुरुवार को हुई, जब एंटी-नारकोटिक्स इंटेलिजेंस यूनिट साउथ टीम ने वलसरवाक्कम से मेथामफेटामाइन और गांजा जब्त किया। हिरासत में लिए गए लोगों में अंजू कृष्णा, विंसी निवेथा, कार्तिक राजा, यशवंत, श्रीराम, अल्विबिनशा और वेंकटेश कुमार शामिल हैं। रेड के दौरान, पुलिस ने छह ग्राम

मेथामफेटामाइन, सात ग्राम गांजा, 15 ग्राम भांग, एक स्टैम्प और नौ मोबाइल फोन जब्त किए।

अंजू कृष्णा 31 साल की एक्ट्रेस हैं जिन्होंने तमिल और मलयालम फिल्मों में काम किया है। वह आकाशम कडन्न, आरो और ओम वेल्लीमलाई जैसी फिल्मों में नज़र आ चुकी हैं।

तमिल रोमांटिक ड्रामा फिल्म, ओम वेल्लीमलाई, 2023 में रिलीज़ हुई थी और इसका निर्देशन ओम विजय ने किया था। अंजू के अलावा, ओम वेल्लीमलाई में सुपरगुड सुब्रमणि और वीरा सुभाष मुख्य भूमिकाओं में हैं।

अंजू कृष्णा की सोशल मीडिया मौजूदगी की बात करें तो, इंस्टाग्राम पर उनके 23.6ख फॉलोअर्स हैं और वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, नियमित रूप से अपने मॉडलिंग वर्क और फोटोशूट की तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं।

आईआरसीटीसी ने लांच किया, डिवाइन ईस्ट टेंपल टूर, भारत गौरव डीलक्स ट्यूरिज्म ट्रेन के माध्यम से 10 दिवसीय विशेष यात्रा

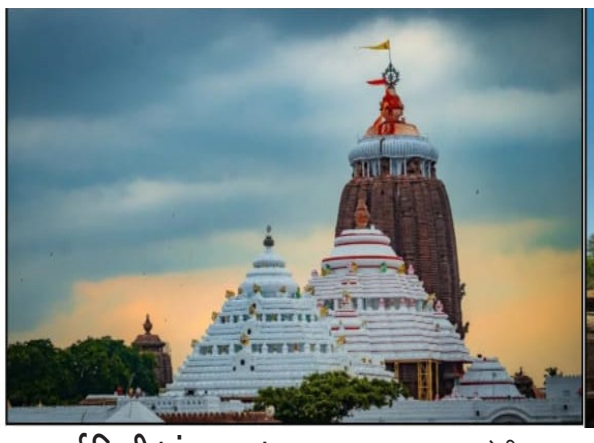

नई दिल्ली (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी), जो रेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है, ने भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से एक नई आध्यात्मिक पर्यटन परिपथ 'डिवाइन ईस्ट टेंपल यात्रा की शुरुआत की है। यह विशेष रूप से तैयार की गई 10 दिवसीय रेल आधारित यात्रा श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के प्रमुख तीर्थ स्थलों, सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक दर्शनीय स्थलों के दर्शन का अनूठा अवसर प्रदान करेगी।

यह विशेष पर्यटक ट्रेन 09 मार्च 2026 को दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से प्रस्थान करेगी और 18 मार्च 2026 को दिल्ली वापस लौटेगी। यात्रा के दौरान वाराणसी, कोलकाता, गंगासागर, पुरी, भुवनेश्वर, कोणार्क, चिलिका तथा बैद्यनाथ धाम (देवघर) को शामिल किया गया है। वाराणसी में श्रद्धालु श्री काशी विश्वनाथ मंदिर (ज्योतिर्लिंग) के दर्शन करेंगे और विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती में भाग लेंगे। इसके पश्चात कोलकाता में विक्टोरिया मेमोरियल सहित शहर के प्रमुख दर्शनीय स्थलों के साथ कालीघाट मंदिर (शक्ति पीठ) एवं दक्षिणेश्वर काली मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे। इस यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण गंगासागर का एकदिवसीय भ्रमण है, जहाँ सागर संगम में पवित्र स्नान तथा कपिल मुनि मंदिर के दर्शन की व्यवस्था की गई है।

यात्रा आगे ओडिशा की ओर बढ़ेगी, जहाँ पुरी में भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर के दर्शन के साथ-साथ भुवनेश्वर के प्रमुख मंदिर, धौली शांति स्तूप, उदयगिरि एवं खंडगिरि गुफाएँ, कोणार्क सूर्य मंदिर (यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल) तथा चिलिका झील का भ्रमण शामिल है। इस आध्यात्मिक यात्रा का अंतिम पड़ाव झारखंड स्थित बैद्यनाथ धाम (देवघर) है, जो भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इसके पश्चात ट्रेन दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन लौटेगी, जिससे यह स्मरणीय और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध यात्रा संपन्न होगी।

आईआरसीटीसी द्वारा प्रस्तुत यह सर्वसमावेशी पर्यटन पैकेज धार्मिक एवं अवकाश पर्यटन का उत्कृष्ट संयोजन है, जिसका उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुखद यात्रा अनुभव प्रदान करना है। भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन में 150 पर्यटकों के ठहरने की व्यवस्था है, जिसमें एसी प्रथम, द्वितीय और तृतीय श्रेणी के आधुनिक कोच उपलब्ध हैं। ट्रेन में दो रेस्टोरेंट कोच हैं, जहाँ यात्रियों को शुद्ध शाकाहारी एवं स्वच्छ भोजन परोसा जाएगा। इसके अतिरिक्त उन्नत सुरक्षा सुविधाएँ, आरामदायक केबिन और पूरी यात्रा के दौरान आईआरसीटीसी के अनुभवी टूर मैनेजर यात्रियों की सहायता हेतु उपलब्ध रहेंगे।

इस यात्रा पैकेज की कीमत एसी प्रथम श्रेणी के लिए 1,06,940, एसी द्वितीय श्रेणी के लिए ?98,925 तथा एसी तृतीय श्रेणी के लिए ?79,285 प्रति व्यक्ति निर्धारित की गई है। पैकेज में चयनित एसी श्रेणी में रेल यात्रा, एसी होटलों में ठहराव, सभी शुद्ध शाकाहारी भोजन, एसी वाहनों द्वारा स्थानांतरण एवं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण, यात्रा बीमा तथा आईआरसीटीसी टूर मैनेजर की सेवाएँ शामिल हैं। 'दिव्य पूर्व मंदिर यात्रा' के लिए बुकिंग आईआरसीटीसी की पर्यटन वेबसाइट www.irctctourism.com/bharatgaurav तथा देशभर के अधिकृत आईआरसीटीसी पर्यटन कार्यालयों के माध्यम से की जा सकती है। अधिक जानकारी के लिए यात्री 8287930299, 8287930484, 8287930032, 8595931047 और 8882826357 नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।

पंजाब 'इन्वेस्टर्स समिट' से पहले सीएम मान को झटका केंद्र ने यूरोप दौरे पर लगाई रोक, आप भड़की

चण्डीगढ़ **(एजेंसी)**। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का नीदरलैंड और चेक गणराज्य का दौरा रद्द हो गया है। इसका कारण यह है कि केंद्र सरकार ने उनके 'पॉलिटिकल क्लीयरेंस' के अनुरोध को रोक दिया और उनके दौरे पर कोई जवाब नहीं दिया। यह पहली बार नहीं है जब मुख्यमंत्री मान को विदेश जाने से रोका गया हो। पिछले कुछ समय में यह तीसरी बार है जब उन्हें मंजूरी नहीं मिली। इससे पहले पिछले महीने ही उन्हें निवेश के सिलसिले में यूके और इजराइल में जाने की इजाजत नहीं दी गई थी। इससे पहले पेरिस ओलंपिक के दौरान भारतीय हॉकी टीम का उत्साह बढ़ाने के लिए उनके फ्रांस जाने के अनुरोध को भी केंद्र ने मना कर दिया था।

अगले महीने पंजाब में 'इन्वेस्टर्स समिट' होने वाला है। मुख्यमंत्री मान एक डेलिगेशन के साथ यूरोप के इन देशों में जाकर बड़े बिजनेसमैन से मिलना चाहते थे, ताकि पंजाब में विदेशी निवेश लाया जा सके और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले।

इस मामले पर आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार पर कड़ा प्रहार किया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार जानबूझकर विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को निशाना बना रही है।

इस तरह की पाबंदियों से पंजाब के विकास और निवेश लाने की कोशिशों को नुकसान पहुंच रहा है। जब दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्री विदेश जा सकते हैं, तो पंजाब के मुख्यमंत्री को बार-बार क्यों रोका जा रहा है? नियमों के मुताबिक, किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री को आधिकारिक विदेश यात्रा के लिए विदेश मंत्रालय से अनुमति लेनी होती है। हालांकि, मंत्रालय अक्सर मंजूरी न देने का कोई खास कारण सार्वजनिक रूप से नहीं बताता, जिससे यह मामला अब एक राजनीतिक विवाद बन गया है।

कर्नाटक में प्राइवेट चार्टर प्लेन क्रैश! इंजन फेल होने के बाद खेतों में करनी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग, पायल घायल

कलबुर्गी **(एजेंसी)**। कर्नाटक के विजयपुरा जिले से रविवार (8 फरवरी, 2026) को एक बड़े विमान हादसे की खबर सामने आई है। रेडबर्ड एविएशन का एक छोटा ट्रेनिंग विमान तकनीकी खराबी के बाद बालेश्वर तालुक के मंगलुरु गांव में क्रैश हो गया। इस दुर्घटना में विमान के परखच्चे उड़ गए, लेकिन चमत्कारिक रूप से इसमें सवार दोनों पायलटों की जान बच गई।

विमान ने कलबुर्गी से बेलगावी के लिए एक नियमित ट्रेनिंग उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान जब विमान मंगलुरु गांव के ऊपर था, तभी उसके इंजन में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। कैप्टन और ट्रेनी पायलट ने हवा में ही इंजन को फिर से शुरू करने की कोशिश की, लेकिन इंजन पूरी तरह फेल हो गया। विमान तेजी से ऊंचाई खोने लगा और पायलटों को आबादी वाले इलाके से दूर एक खुले खेत में इमरजेंसी लैंडिंग करने का कठिन फैसला लेना पड़ा। चश्मदीदों के अनुसार, विमान को नीचे गिरते देखना एक खौफनाक मंजर था। खराब हो रहे रेडबर्ड विमान में, कैप्टन और ट्रेनी ने खराब इंजन को ठीक करने की व्यर्थ कोशिश की, लेकिन उनकी सूझबूझ से शायद एक बड़ा हादसा टल गया। विमान इतनी तेज़ी से जमीन से टकराया कि दोनों यात्रियों को गंभीर चोटें आईं, फिर भी चमत्कारिक रूप से उनकी जान बच गई - इस घटना में कोई मौत नहीं हुई। धूल और मलबा हवा में फैल गया, जैसे ही स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े, उनकी चीखें मुड़े हुए धातु की आवाज़ के साथ मिल गईं। कुछ ही मिनटों में, 108 एम्बुलेंस घटनास्थल पर पहुंची, और खून से लथपथ पायलटों को गंभीर इलाज के लिए विजयपुरा के सबसे नज़दीकी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने अफरा-तफरी के बीच उन्हें स्थिर किया।

गौरव गोगोई का 'पाकिस्तानी कनेक्शन'! सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के खुलासे से असम में भूचाल, एनआईए जांच की मांग

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। असम की राजनीति में इस वक्त एक बहुत बड़ा तूफान आया हुआ है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई और उनकी पत्नी एलिजाबेथ को लेकर कुछ ऐसे खुलासे किए हैं, जिन्होंने सबको चौंका दिया है। मामला 'पाकिस्तानी कनेक्शन' और नेशनल सिक्योरिटी से जुड़ा है।

असम सरकार ने एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई थी जिसने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इस रिपोर्ट के आधार पर असम कैबिनेट ने अब भारत सरकार (गृह मंत्रालय)

से मांग की है कि इस मामले की जांच एनआईए या सीबीआई जैसी बड़ी केंद्रीय एजेंसियां करें। सीएम सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि असम के एक बड़े नेता का पाकिस्तान से सीधा कनेक्शन है। उनके मुख्य आरोप ये हैं कि गौरव गोगोई अपने पिता तरुण गोगोई के सीएम रहते हुए पाकिस्तान गए थे, जिसकी जानकारी न तो पुलिस को थी और न ही केंद्र सरकार को।

सरमा का दावा है कि गौरव गोगोई पाकिस्तानी दूतावास भी गए थे, जो किसी भी कांग्रेसी नेता के लिए असामान्य है। साथ ही उनकी पत्नी एलिजाबेथ ने 2011-12 में पाकिस्तान में काम किया था और उनका सीधा संपर्क 'अली तौकीर शेख' नाम के एक पाकिस्तानी एजेंट से था। एसआईटी की रिपोर्ट में एलिजाबेथ पर कई संगीन आरोप लगाए गए हैं, जिनमें कहा गया है कि 2013-14 में उन्होंने इंटेलिजेंस ब्यूरो की एक सीक्रेट रिपोर्ट की जानकारी पाकिस्तान को भेजी थी, ताकि वे भारत के खिलाफ अपनी रणनीति बदल सकें। साथ ही वे अक्सर अटारी बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान जाती थीं और इन यात्राओं की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी जाती थी। उन पर जॉर्ज सोरोस से जुड़े होने और विदेशी फंडिंग के नियमों को तोड़ने का भी आरोप है। इसके साथ साथ ऐसा भी कहा गया कि उन्होंने अपने पाकिस्तानी बैंक खाते की जानकारी छिपाई।

भारत-मलेशिया संबंधों को नई गति

अनवर बोले- पीएम मोदी के साथ मुलाकात रही 'अहम और निर्णायक', 11 समझौते हुए फाइनल

माले **(एजेंसी)**। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी बैठक को 'बहुत महत्वपूर्ण, रणनीतिक और निर्णायक' बताया और कहा कि यह दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। मोदी इस समय मलेशिया के दो-दिवसीय दौरे पर हैं, जिसमें वे कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। कुआलालंपुर में दोनों नेताओं ने प्रतिनिधि-स्तरीय वार्ता की और 11 दस्तावेजों सहित कई समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर का साक्षी बने। संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनवर ने कहा कि भारत-मलेशिया के संबंध 1957 से चले आ रहे हैं और 2024 में इसे 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक उन्नत किया गया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंध, मजबूत जन-स्तरीय जुड़ाव और लगातार बढ़ती आर्थिक साझेदारी मौजूद है।

अनवर ने आगे कहा कि भविष्य में दोनों देश व्यापार और निवेश, सेमीकंडक्टर, डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्थानीय मुद्रा में व्यापार, कनेक्टिविटी, ऊर्जा, कृषि, खाद्य सुरक्षा, सुरक्षा, रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों को और गहरा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इन पहलों को तेजी से लागू करने के लिए दोनों सरकारों और विदेश मंत्रियों की प्रतिबद्धता है। वार्ता के परिणामों पर अनवर ने बताया कि 11 दस्तावेजों के हस्ताक्षर किए गए, जिनमें एमओयू और पत्रों का आदान-प्रदान शामिल था। उन्होंने कहा कि ये समझौते पारंपरिक द्विपक्षीय समझौतों से आगे हैं और इनमें से कई क्षेत्र–जैसे सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य और सुरक्षा सहयोग-शांतिरक्षा जैसी पहलें भी शामिल हैं।

इससे पहले, अनवर ने मोदी का औपचारिक स्वागत किया और दोनों देशों के मजबूत संबंधों और इस दौरे की व्यक्तिगत अहमियत पर जोर दिया। इस यात्रा की शुरुआत पर पुत्राजया में प्रधानमंत्री मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर और अन्य औपचारिक सम्मान दिए गए। मोदी ने स्वागत के लिए आभार जताते हुए कहा कि मलेशिया ने उन्हें और उनके प्रतिनिधिमंडल का बहुत ही गरिमामय और खूबसूरत स्वागत किया। मोदी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में भी इस स्वागत के कुछ पल साझा किए और कहा कि भारत और मलेशिया का साझेदारी विश्वास, मित्रता और साझा आकांक्षाओं पर आधारित है।

'ध्यान-योग' को देश के लिए खतरा मानता है चीन फालुन गोंग अभ्यास करने वाले मां-बेटे को 6 साल जेल की सजा

बीजिंग **(एजेंसी)**। चीन में फालुन गोंग के अभ्यास के कारण एक मां और उसके बेटे को एक साथ लंबे समय की जेल की सजा सुनाई गई है। लिआओनिंग प्रांत के लिंगहाई सिटी कोर्ट ने 26 दिसंबर 2026 को लू सुपिंग (69) और उनके बेटे जियांग नान (45) को फालुन गोंग के अभ्यास के आरोप में समान रूप से छह-छह साल की जेल और 15, 000 युआन का जुर्माना दिया। उनकी सजा 1 जून 2031 तक चलेगी। दोनों पर कार्रवाई का नवीनतम दौर 2 जून 2025 को शुरू हुआ, जब जियांग ने अपने घर का दरवाजा खोला और वहां घुसे सात से अधिक सादे वस्त्रधारी अधिकारी उसे जमीन पर गिराकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घर में छापा मारा, फालुन गोंग की किताबें, संस्थापक की तस्वीर, दो मोबाइल फोन और अन्य सामान जब्त किए। बाद में लू, जियांग और दो अन्य प्रैक्टिशनरों को लिंगहाई डिटेंशन सेंटर में ले जाया गया।

3 जुलाई 2025 को लिंगहाई प्रॉक्यूरेटरेट ने औपचारिक गिरफ्तारी वारंट जारी किए। जियांग ने वकील नियुक्त करने की कोशिश की, लेकिन अभियोजक ने उसे फालुन गोंग प्रैक्टिशनर का वकील होने पर धमकाया। सितंबर में पुलिस ने मामला अभियोजन के लिए भेजा और अक्टूबर में आरोप-पत्र पक्का हुआ। दोनों का मुकदमा 22 दिसंबर 2025 को हुआ और चार दिन बाद सजा सुनाई गई, लेकिन परिवार को जनवरी 2026 के अंत तक इसकी जानकारी नहीं मिली। यह पहली बार नहीं है जब मां-बेटे को फालुन गोंग के कारण जेल हुई है। 2013 में दोनों को गुप्त तरीके से गिरफ्तार कर 3-3.5 साल की सजा दी गई थी। लू को लिआओनिंग प्रांत महिला जेल में भेजा गया था और जियांग को जिनझोउ तथा बाद में शेनयांग की जेलों में रखा गया।

2002 में लू को गिरफ्तार कर सात पुरुष अधिकारियों ने पीटा, जिससे उनका चेहरा सूज गया और विकृत हो गया। फालुन गोंग पर चीन की दमन नीति का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत अनुयायियों को दंडित करना नहीं, बल्कि परिवारों को तोड़ना और निजी जीवन को नियंत्रण में लेना भी माना जाता है। लू और जियांग के मामले में यह स्पष्ट दिखता है, क्योंकि उन्हें एक साथ गिरफ्तार, मुकदमा और सजा मिली। फिर भी, उनकी कहानी संघर्ष और दृढ़ता की भी मिसाल है। लू का कहना है कि फालुन गोंग ने उनकी सेहत ठीक की और पारिवारिक संबंधों को बेहतर बनाया। जियांग ने बार-बार गिरफ्तारियों के बावजूद पढ़ाना जारी रखा और अपने छात्रों व अभिभावकों का सम्मान पाया।

चीन में इसे 1990 के दशक में बहुत तेजी से फैलने वाला आंदोलन माना गया।1999 में चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने इसे प्रतिबंधित कर दिया, क्योंकि वे इसे राजनीतिक रूप से खतरा समझने लगे थे। इसके बाद से चीन में फालुन गोंग के अभ्यास करने वालों पर कठोर दमन और गिरफ्तारी की खबरें आती रही हैं। चीन सरकार का कहना है कि यह राजनीतिक खतरा है।समर्थक और मानवाधिकार संगठन इसे धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला मानते हैं। चीन में फालुन गोंग के अनुयायियों के खिलाफ जबरदस्ती की 'री-एडुकेशन' और जेल जैसी कार्रवाई की रिपोर्टें आती रही हैं।

दुबई पुलिस की ईमानदारी बनी मिसाल : कचरे में मिला लाखों का सोना भारतीय महिला को लौटाया

अबुधाबी **(एजेंसी)**। दुबई में ईमानदारी और व्यवस्था का एक अनोखा उदाहरण सामने आया है, जब एक महिला द्वारा गलती से कूड़े में फेंका गया सोना पुलिस की मदद से वापस मिल गया। घटना में भारतीय मूल की कामिनी कानन शामिल हैं, जो 23 साल तक यूएई में रहने के बाद भारत लौट चुकी थीं और शादी में शामिल होने दुबई आई थीं। खलीज टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कामिनी ने जनवरी के अंत में सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण अपने पुराने गोल्ड पाउच को बदलकर सोना नए पाउच में रखा था। इसमें चार 22 कैरेट के गोल्ड कॉइन थे, जिनमें से हर एक का वजन 8 ग्राम था, साथ ही 50 ग्राम की 24 कैरेट गोल्ड बार भी थी। कुल मिलाकर सोने की कीमत लगभग 50, 000 दिरहम (करीब 12.32 लाख रुपये) बताई गई है।

हालांकि, घर की सफाई के दौरान यह पाउच गलती से कूड़े में फेंक दिया गया और परिवार को इस बात का पता भी नहीं चला।

इसके बाद भी, दुबई पुलिस ने कूड़े से सोने का पाउच ढूंढकर उसे महिला को वापस कर दिया। यह घटना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है और दुबई की विश्वसनीय व्यवस्था को लेकर लोगों में विश्वास बढ़ा रही है। दुबई में ऐसी घटनाएं इसलिए भी खास मानी जाती हैं क्योंकि यहां की सिस्टम-प्रणाली और कानून व्यवस्था में ईमानदारी और पारदर्शिता का स्तर बहुत ऊँचा माना जाता है। इस घटना ने यह साबित कर दिया कि यहां सिर्फ छोटे-मोटे सामान ही नहीं, बल्कि कीमती वस्तुएं भी सही हाथों तक वापस पहुंच सकती हैं–भले ही वे गलती से कचरे में चली गई हों।

परमाणु कार्यक्रम पर ईरान का सख्त संदेश

'ताकतवर देशों के आगे नहीं झुकेंगे', हमें 'न' कहना आता है

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ हुईं वार्ताओं के बाद कड़ा रुख अपनाते हुए रविवार को कहा कि ताकतवर देशों के आगे नहीं झुकने से ईरान को ताकत मिलती है। तेहरान में एक सम्मेलन में राजनयिकों से बातचीत के बाद अरागची ने संकेत दिए कि ईरान यूरेनियम संवर्धन करने पर कायम रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए ईरान का यूरेनियम संवर्धन विवाद की जड़ है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने शुक्रवार को ओमान में अमेरिकी अधिकारियों से हुई बातचीत की एक ओर तो सराहना की, दूसरी ओर अरागची के बयान से लगता है इन वार्ताओं में चुनौतियां बाकी हैं। ईरान पर समझौता करने के लिए दबाव बनाने के मकसद से अमेरिका पहले ही विमानवाहक यूएसएस अब्राहम लिंकन, जहाजों और लड़ाकू विमानों को पश्चिम एशिया भेज चुका है। अरागची ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि ईरान की ताकत का राज दूसरों की ओर से परेशान किए जाने, प्रभुत्व कायम करने और दबाव बनाने के खिलाफ खड़े होने की इसकी क्षमता में छिपा है।

अफगानिस्तान में घर के अंदर विस्फोट, कम से कम 8 लोगों की मौत

काबुल **(एजेंसी)**। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक आवासीय घर के अंदर गैस सिलेंडर विस्फोट में कम से कम आठ लोग मारे गए। काबुल के गवर्नर कार्यालय ने शनिवार शाम जारी बयान में बताया कि घटना पुलिस डिस्ट्रिक्ट 21 में हुई, जहां एक परिवार अपने घर को ठंड से बचाने के लिए गैस हीटर का उपयोग कर रहा था। गैस रिसाव के कारण सिलेंडर फट गया और इससे घर में मौजूद लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अफगानिस्तान में व्यापक आधुनिक हीटिंग प्रणाली न होने के कारण अधिकांश घर सर्दियों में अपने घर गर्म रखने के लिए गैस सिलेंडर या पारंपरिक चूल्हे पर निर्भर रहते हैं। ऐसे हादसे अक्सर गैस रिसाव और विस्फोट के कारण होते हैं और गरीब देश में यह एक आम खतरा बन गया है।इससे पहले 5 फरवरी को पूर्वी अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में एक घर के अंदर गैस सिलेंडर फटने से तीन महिलाएं मारी गई थीं और एक अन्य घायल हुई थी। उस घटना में भी परिवार गैस हीटर का उपयोग कर रहा था और गैस रिसाव के कारण विस्फोट हुआ था। घायल पुरुष सदस्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

कुछ सप्ताह पहले, पूर्वी नंगरहार प्रांत के स्पिन घर जिले में गैस सिलेंडर विस्फोट में दो महिलाएं मारी गईं और दो बच्चे घायल हुए थे।इसके अलावा 14 जनवरी को नंगरहार के बटिकोट जिले में एक होटल के अंदर गैस सिलेंडर फटने से 14 कर्मचारी घायल हो गए थे, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई गई थी। पुलिस ने घटना को होटल कर्मचारियों की लापरवाही का परिणाम बताया था और घायल लोगों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया था।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)